A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 31 मई, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 261, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

ब्लाग

लोकमाता देवी अहिल्याबाई: सुशासन और महिला स्वावलंबन की प्रणेता

डॉ. मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती अवसर पर शत-शत नमन...। आज भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका समूचा दायित्व मातृशक्ति संभाल रही हैं। इस महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन महोत्सव में माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भोपाल पधार रहे हैं। मैं मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का आत्मिक स्वागत करता हूं। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती समारोह को आगामी एक वर्ष तक आयोजित किये जाने का शुभारंभ आज इस अवसर पर मध्यप्रदेश की धरती से किया जा रहा है इसके लिये माननीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से धन्यवाद।

देवी अहिल्याबाई होलकर ने परिपूर्ण सुशासन व्यवस्था, स्वावलंबी, आत्मनिर्भर समरस समाज, सुरक्षित समृद्ध राज्य का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 130 विखंडित मंदिरों का जीर्णोद्धार तथा पुनर्निर्माण किया। नदियों पर घाट, धर्मशालाएं बनवाईं, अन्न सत्र प्रारंभ किये और पूजा-पाठ की स्थाई व्यवस्था की। देशभर में सांस्कृतिक गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा की और देश को एक सूत्र में पिरोया। उनका शासनकाल, स्वर्ण काल होने के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक अभ्युदय का समय रहा है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने महिलाओं के स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कार्य किये। एक तरफ उन्होंने महिलाओं की सैनिक टुकड़ी बनाकर सुरक्षा की चौकस व्यवस्था की। वहीं, दूसरी ओर महिलाओं के सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए क्रांतिकारी निर्णय लिये। उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विधवा को दत्तक पुत्र लेने का अधिकार तथा विधवा पुनर्विवाह के अधिकार प्रदान किये और दहेज प्रथा पर रोक लगाने के नियम बनाये। सेना में बलिदान हुए सैनिकों की पत्नियों के लिये महेश्वर में महेश्वरी साड़ी उद्योग की स्थापना की और महिला समृद्धि का विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया। उनके राज्य में होलकर राज्य सुराज, स्वराज, सुशासन, सुव्यवस्था, संपन्नता, विकास और निर्माण का आदर्श रहा। उन्होंने महेश्वर को शिल्प, कला, संस्कृति, शिक्षा, साहित्य, उद्योग और व्यापार का केन्द्र बनाया और देशभर में विस्तारित किया।

उनके शासनकाल में होलकर राज्य प्रभावी सूचना तंत्र, पंचायती राज, न्यायालय, सुरक्षा की चौकस व्यवस्था, सशक्त सेना के साथ ग्रामीण तथा नगरीय नियोजन का उदाहरण बन गया। जीवनभर वे भगवान शिव और समाज के लिए समर्पित रहीं। समाज निर्माण और महिला सशक्तिकरण के लिए अहिल्याबाई होलकर ने जो कार्य किये, वे हमारी विरासत का गौरवपूर्ण हिस्सा हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश सरकार देवी अहिल्याबाई होलकर के त्रि-शती जयंती वर्ष को समारोह पूर्वक आयोजित कर रही है। शौर्य और पराक्रम की प्रतीक लोकमाता अहिल्याबाई को समर्पित करते हुए विजयादशमी के त्योहार पर प्रदेश भर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश में उनके जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित विविध कार्यक्रम संपन्न हुए। इसमें कार्यशालाएं, व्याख्यान, संगोष्ठियां, नाट्य, महानाट्य प्रस्तुति आदि के श्रृंखलाबद्ध आयोजन हुए। हमने प्रयास किया कि बौद्धिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से देवी अहिल्याबाई के कार्य, विचार और आदर्श समाज के बीच पहुंचे। अहिल्याबाई के व्यक्तित्व निर्माण, परिवार समन्वय, पर्यावरण संरक्षण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के सूत्र समाज के सामने लाये गये।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व में सबसे समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने के लिये विकास के साथ विरासत का सूत्र दिया है। प्रधानमंत्री जी के इस सूत्र के अनुरूप ही हमने अपनी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश की गौरवशाली विरासत को सहेजने और आदर्श महानायकों के व्यक्तित्व से समाज को प्रेरित करने का अभियान चलाया।

प्रदेश के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए हमने डेस्टिनेशन कैबिनेट की ऐतिहासिक पहल की है। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पर्यटन को बढ़ावा देने की अवधारणा को धरातल पर साकार करती है। आधुनिक विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत का स्मरण और आदर्श महानायकों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के उद्देश्य से हमने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में दो कैबिनेट बैठकें कीं। पहली बैठक 24 जनवरी 2025 को महेश्वर के किले में और दूसरी बैठक 20 मई 2025 को इंदौर के राजवाड़ा में संपन्न हुई।

पहली बैठक में प्रदेश के 19 पवित्र स्थलों में शराब बंदी लागू करने का निर्णय लिया। इस निर्णय से धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाये रखने के साथ महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा, वहीं दूसरी बैठक में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का फैसला लिया गया है।

अहिल्याबाई होलकर ने महिला सशक्तिकरण को लेकर जो दिशा तय की थी, उसे आगे बढ़ाने का कार्य यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। हमने पुण्यश्लोका, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्म जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री जी के गरीब, युवा, किसान और नारी (GYAN) पर ध्यान के ध्येय मंत्र को सार्थक करने का प्रयास किया। इस मंत्र के चौथे स्तम्भ 'नारी' के समग्र विकास के लिये देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर कार्य आरंभ किया गया। इस मिशन से प्रदेश की नारी आत्मनिर्भर होंगी, उनके आर्थिक और सामाजिक विकास को गति मिलेगी। मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास एवं सुरक्षा, विभिन्न शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए प्रयास करना शामिल है। मिशन के प्रमुख लक्ष्यों में बालिका लिंगानुपात में वृद्धि, बालिका शिक्षा में वृद्धि, मातृ मृत्युदर में कमी लाना, महिला अपराधों में कमी लाना, बाल विवाह रोकना, महिला श्रमबल में वृद्धि करना आदि समाहित है।

देवी अहिल्याबाई ने महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, समाज कल्याण और सुशासन की दिशा में जो मार्ग दिखाया है, मध्यप्रदेश सरकार उस पर चलकर समग्र विकास को चरितार्थ करने के लिये संकल्पित है। हमने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सिद्धांतों, उनके आदर्श को राज्य की नीति और निर्माण में शामिल करते हुए महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाए हैं।

मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिये विभिन्न स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इससे महिलाओं को रोज़गार, स्वरोज़गार, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा के मजबूत अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विशेषकर लाड़ली बहना योजना, देवी अहिल्याबाई होलकर मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली लक्ष्मी योजना से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। प्रदेश के सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किये गए हैं, महिला हेल्पलाइन और चाइल्ड हेल्पलाइन से सुरक्षा प्रदान की है। महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के उद्देश्य से वूमेन एंटरप्रेन्योर डेडिकेटेड इंडस्ट्री पार्क की स्थापना की गई।

महिलाओं के स्वरोज़गार और कौशल विकास के लिए एमएसएमई नीति-2025 में महिला उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान का प्रावधान किया गया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश को विश्व की शीर्ष टूरिज्म डेस्टिनेशन माना गया है। हमने नवाचार करते हुए सेफ टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वूमेन के तहत 10 हजार महिलाओं को पर्यटन सेवाओं के लिये प्रशिक्षित किया है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश, देश का पहला ऐसा राज्य है जिसमें शासकीय सेवाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया है। प्रदेश में लाडो अभियान, शौर्या दल, मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना से प्रदेश की 19 लाख बालिकाओं को आर्थिक संबल दिया गया है। प्रदेश में 18 लाख से अधिक महिलाओं, विधवा, परित्यक्ता और केवल पुत्री वाली माताओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान की जा रही है। प्रदेश में महिलाओं को जन्म से लेकर जीवनपर्यन्त विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा, सम्मान और संबल प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश की महिलायें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होकर नवाचार के साथ अपनी नई विकास गाथा लिख रही हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि महिलाओं की यह समृद्धि परिवार, समाज, प्रदेश और राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। लोकमाता अहिल्याबाई ने महिलाओं को सबल बनाने के लिए जो प्रयास किये हैं, वो निरंतरता और प्रगति के साथ मध्यप्रदेश की धरती पर आकार लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पुनश्च पुण्यश्लोका, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को सादर नमन...।

सुप्रभात

चरण छूने योग्य नहीं,
पूजनीय हैं वो पुरुष...
जिन्होंने प्रेम को अधिकार नहीं,
दायित्व समझा।
जिन्होंने बिछड़ने के बाद भी
उस स्त्री की मर्यादा को अपनी
आत्मगौरव समझा।
जो रो सकते थे, पर रुके रहे...
क्योंकि उनकी ख़ामोशी में
आरोप नहीं,
अपूर्व अपनापन था।
जिन्होंने अपनी वेदना को
किसी कोने में रख दिया,
ताकि उस स्त्री की छवि धुंधली न हो।
ऐसे पुरुष... वक्त के शोर में मौन की
मिसाल होते हैं,
जिनके लिए प्रेम कभी
'प्रदर्शन' नहीं,
'संस्कार' था।
उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि
सच्चा प्रेम टूटता नहीं,
बस आकार बदल लेता है –
सम्मान, मौन और सद्भावना का।
प्रेम अगर किसी ने समझा है,
तो ऐसे पुरुषों ने,
जो जाने के बाद भी
किसी की इज्ज़त
छोड़कर नहीं गए।

– निशा शेखावत

जो वादा करके गया था, उसे पूरा करके बिहार आया हूं

पीएम बोले-कहा था पहलगाम के आतंकियों को कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी, सेना ने उनके ठिकाने खंडहर बना दिए

सासाराम (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को बिहार के सासाराम के दुर्गाडीह में जनसभा की। करीब 33 मिनट के भाषण में उन्होंने आतंक को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के 1 दिन बाद मैं बिहार आया था।

मैंने बिहार की धरती से जो वचन दिया था वो पूरा किया। मैंने कहा था माताओं का सुहाग उजाड़ने वालों को कल्पना से भी बड़ी सजा होगी। ऐसी ही सजा उन्हें दी गई। हमारी सेना ने आतंकियों के ठिकानों को खंडहर में बदल दिया। भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति को पाकिस्तान और दुनिया ने भी देखा। दुश्मन जान ले कि 'आपरेशन सिंदूर' हमारे तरकश का सिर्फ एक तीर है। आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है और न थमी है। आतंक का फन फिर उठेगा तो बिल से खींचकर कुचलेंगे। चाहे सीमा पार हो या फिर सीमा के अंदर हो। पहलगाम में आतंकी हमले में हमारे कितने निर्दोष नागरिक मारे गए। इस आतंकी हमले के एक दिन बाद मैं बिहार आया था और वादा किया था।

आज भोपाल में मोदी, पीएम संग मंच पर बैठेंगी महिला मंत्री

- सिंदूरी साड़ी और सेना जैसी वर्दी में व्यवस्था संभालेंगी कार्यकर्ता

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 31 मई को भोपाल के जंबूरी मैदान पर देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित करेंगे। मंच पर देवी अहिल्याबाई के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें भी नजर आएंगी। महासम्मेलन के लिए भोपाल से 500 किलोमीटर के दायरे के 16 जिलों से महिलाओं को बुलाया गया है। दावा है कि कार्यक्रम में दो लाख महिलाएं शामिल होंगी। महिला महा सम्मेलन में चार महिलाएं पीएम मोदी को सिंदूर का पौधा भेंट करेंगी। यह चारों महिलाएं गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि की होंगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में यह पहला महिला सम्मेलन है। इस महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन पूरे देश के साथ वैश्विक स्तर पर भी देने की कोशिश बीजेपी की ओर से होगी।

अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली, नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है : मुख्यमंत्री

आज प्रधानमंत्री 31 मई को देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर निकाली जा रही अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। यह रैली, समृद्ध भारतीय संस्कृति में विद्यमान नारी सम्मान और महिला की सशक्त छवि की अभिव्यक्ति भी है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर हर काल में सुशासन की प्रतीक रही है। जब विदेशी आक्रांता दिल्ली से बैठकर भारत पर शासन कर रहे थे, तब लोकमाता ने महिला सशक्तिकरण की अद्भुत मिसाल पेश की। रानी दुर्गावती, वीरांगना लक्ष्मीबाई और रानी अवंती बाई ने भी नारी सम्मान को ऊंचाई दी। रानी अहिल्याबाई एक आदर्श बहू, आदर्श मां, आदर्श पत्नी और महान शासिका थीं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत दुखों को शक्ति में बदलते हुए नारी सशक्तिकरण, महिला शिक्षा, धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और जनकल्याण के अनेक कार्य किए। मां अहिल्या ने अपनी प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक समर्पण से बताया कि इच्छाशक्ति और सेवा भाव से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश में मनाए जा रहे जनकल्याणी पर्व के अंतर्गत शौर्य स्मारक पर अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत महिला प्रतिभागियों की बस को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्वालियर चंबल संभाग की महिलाएं प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पुलिस बैंड की धुन के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महिला पुलिस अधिकारियों ने सलामी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक स्थित भारत माता की प्रतिमा तथा लोकमाता अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला बाईकर्स का सम्मान किया तथा सड़क सुरक्षा के प्रतीक स्वरूप एक महिला दो पहिया चालक को हेलमेट भी भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस ऑर्केस्ट्रा ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, अपर मुख्यि सचिव गृह श्री जे.एन कंसोटिया, डीजीपी श्री कैलाश मकवाना, विशेष पुलिस महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव सहित प्रदेश के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, महिला पुलिसकर्मी, स्कूली छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 31 मई को देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में भोपाल पधार रहे हैं। राज्य सरकार ने विरासत से विकास का संकल्प लिया है।

आज म.प्र. में पीएम मोदी 863.69 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन करेंगे

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को जंबूरी मैदान भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग के 863.69 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का वर्चुअल भूमि पूजन करेंगे। इनमें 778.91 करोड़ रुपए की लागत से शिप्रा नदी पर घाट निर्माण और 84.78 करोड़ रुपए की लागत से बैराज, स्टॉप डेम एवं वेंटेड कॉजवे निर्माण कार्य शामिल हैं। सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत आने वाले श्रद्धालुओं को मोक्षदायनी शिप्रा नदी के निर्मल और अविरल जल में सुगमता से स्नान और सुविधा की दृष्टि से उज्जैन में विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

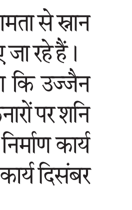

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि उज्जैन जिले में शिप्रा नदी पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये दोनों किनारों पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक लगभग 30 किलोमीटर घाट निर्माण कार्य कराया जाएगा जिसकी लागत 778.91 करोड़ रूपये होगी। कार्य दिसंबर 2027 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। इसी प्रकार शिप्रा नदी पर जल संसाधन विभाग द्वारा 09 बैराज का निर्माण (उज्जैन जिले में 01, इंदौर जिले में 01 एवं देवास जिले में 07 बैराज) एवं नगर निगम उज्जैन द्वारा कालियादेह स्टॉप डेम का मरम्मत कार्य कराया जाएगा। कान्ह नदी पर 11 बैराजों (उज्जैन जिले में 05 एवं इंदौर जिले में 06) का निर्माण कार्य होगा। इन कार्यों की कुल लागत 84.78 करोड़ रूपये होगी।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत अन्य कार्य

- कान्ह नदी पर कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना लागत राशि 919.94 करोड़ रूपये।
- परियोजना के अंतर्गत कान्ह नदी के दूषित जल को 18.5 किलोमीटर कट/कवर एवं 12 किलोमीटर टनल निर्माण कर उज्जैन शहर की सीमा के बाहर शिप्रा नदी में प्रवाहित किया जाना प्रस्तावित है।
- परियोजना के निर्माण के लिये 15 मार्च 2024 को अनुबंध निष्पादित कर कार्य आरंभ किया जाकर सितम्बर 2027 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।
- सेवरखेडी - सिलारखेड़ी मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 614.53 करोड़ रूपये।
- परियोजना के तहत उज्जैन जिले के ग्राम सेवरखेड़ी में शिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण कर पम्पिंग के माध्यम से प्रस्तावित सिलारखेड़ी जलाशय में जल एकत्रित कर आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में प्रवाहित किया जायेगा।
- परियोजना से उज्जैन शहर को पेयजल एवं विभिन्न धार्मिक पर्वों पर श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप निर्मल अविरल जल उपलब्ध कराया जायेगा। कार्य वर्ष 2027 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।
- सिंहस्थ 2028 से संबंधित सभी कार्यों (कुल राशि 2 हजार 398 करोड़ रूपये) की स्वीकृति समय सीमा में प्राप्त कर, सिंहस्थ 2028 के पूर्व दिसंबर 2027 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 31 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

बंगाल की खाड़ी में 'डिप्रेशन', मानसून में होगी देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 24 मई को मानसून की इंट्री के बाद यह 17 राज्यों में दस्तक दे चुका है। सिर्फ छह दिनों में देश में अब तक 33 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। गुरुवार को यह पूर्वोत्तर के बचे हिस्से और फिर सिक्किम पार कर पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्रों में पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को यह बिहार व बाकी पश्चिम बंगाल में पहुंच सकता है। हालांकि, अब इसकी रफ्तार थमने के आसार हैं।

बंगाल की खाड़ी में बना दबाव वाला क्षेत्र सागर द्वीप से होते हुए बांग्लादेश की ओर बढ़ेगा। यह डिप्रेशन उत्तर भारत की ओर मानसून को धकेलने के बजाय विपरीत दिशा में खींचेगा। इससे मानसून की गति धीमी हो जाएगी। दो-तीन दिनों में असर दिखेगा। अनुमान है कि मानसून पर एक हफ्ते से 10 दिन का ब्रेक लग सकता है, जिससे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश का इंतजार बढ़ सकता है। आईएमडी के अनुसार, गुरुवार को पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव लगभग उत्तर की ओर बढ़ा और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों को पार कर गया। इसके चलते अगले 24 घंटों में असम में भारी बारिश की संभावना है। सबसे ज्यादा असर कछार, हैलाकांडी, श्रीभूमि, धुबरी, दक्षिण सालमारा में होगा।

एमपी-यूपी में अब 14 दिन देरी से आएगा मानसून

वाह री हरियाणा पुलिस!

जमानत किसी और को मिली थी, रिहा किसी और को कर दिया

बल्लभगढ़ (एजेंसी)। फरीदाबाद के नीमका जेल में कैदी को रिहा करने का एक अनूठा मामला सामने आया है।

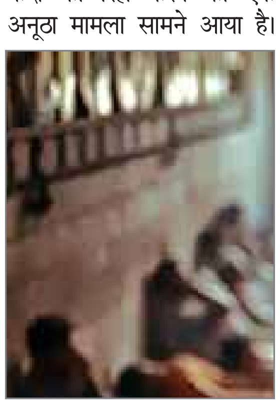

फरीदाबाद की नीमका जेल में सामने आया एक अजीब मामला

जमानत किसी और कैदी को मिली और उसे अपना बताकर 4 साल से जेल में बंद दूसरा कैदी जेल से बाहर आ गया। वह पॉक्सो एक्ट में बंद था। जेल प्रशासन इससे अनजान रहा। कैदियों के नाम एक जैसे और पिता के नाम की समानता ने ऐसा धोखा दिया कि असली जमानत पाने वाला जेल में रह गया, जबकि गंभीर धाराओं में बंद आरोपी फरार हो गया। अब सदर बल्लभगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कैदी पटना जिले का रहने वाला नीतिश कुमार पांडे है। उसके पिता का नाम रविंद्र है। वह राजीव कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। 25 मई को ओल्ड फरीदाबाद के शास्त्री कॉलोनी निवासी नितेश कुमार (पिता-रविंद्र) को मारपीट के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 26 मई को उसे अदालत से जमानत मिल गई। इस दौरान, जेल में पॉक्सो ऐक्ट में बंद उससे मिलता-जुलता नाम वाला दूसरा आरोपी नीतिश कुमार पांडे जेल अधिकारियों को झांसा देकर जमानत पर रिहा हो गया।

'रिलेशनशिप' टूटने के बाद 'रेप' केस दर्ज कराना गलत

● सुप्रीम कोर्ट बोला-इससे आरोपी की छवि खराब होती है ● उच्च न्यायालय बोली-न्याय व्यवस्था पर भी बोझ पड़ता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम फैसले में कहा, यदि दो वयस्कों में सहमति से बना रिश्ता बाद में टूट जाता है या दोनों के बीच दूरी आ जाती है, तो इसे शादी का झूठा वादा बताकर रेप का केस नहीं बनाया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह टिप्पणी की। बेंच ने कहा- ऐसे मामलों से न केवल न्याय व्यवस्था पर अनावश्यक बोझ पड़ता है, बल्कि आरोपी व्यक्ति की सामाजिक छवि को भी गंभीर नुकसान होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि सिर्फ शादी का वादा तोड़ने को झूठा वादा नहीं माना जा सकता, जब तक कि आरोपी की तरफ से रिश्ते की शुरुआत से ही धोखाधड़ी का इरादा न हो। बेंच ने कहा कि शादी का वादा तोड़ने को झूठा वादा बताकर धारा 376 के तहत रेप का केस करना गलत है। इस सोच पर पहले भी चिंता जताई जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के साथ ही महाराष्ट्र के अमोल भगवान नेहुल के खिलाफ रेप केस रद्द कर दिया। आरोपी नेहुल ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उस पर दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश पलटते हुए आपराधिक कार्यवाही खत्म की। कोर्ट ने लिव इन के बाद रेप के आरोप को भी गलत बताया था इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में एक मामले में कहा था कि 16 साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद कोई महिला रेप का आरोप नहीं लगा सकती। सिर्फ शादी करने का वादा तोड़ने से रेप का मामला नहीं बनता, जब तक यह साबित न हो जाए कि शुरुआत से ही शादी की कोई मंशा नहीं थी। महिला ने 2022 में अपने पूर्व लिवइन पार्टनर पर रेप का केस दर्ज कराया था। उसका आरोप था कि 2006 में पार्टनर जबरदस्ती उसके घर में घुसा और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में शादी का झांसा देकर 16 साल तक उसका शोषण किया। फिर किसी दूसरी महिला से शादी कर ली। कोर्ट बोला-पढ़ी-लिखी महिला इतने साल धोखे में कैसे रह सकती है जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर कोई महिला इतने समय तक रिश्ते में रहती है, तो इसे धोखा या जबरदस्ती नहीं कहा जा सकता है। यह मामला लिव इन रिलेशनशिप के बिगड़ने का है, न कि रेप का। कोर्ट ने सवाल उठाया कि एक पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर महिला इतने सालों तक किसी के धोखे में कैसे रह सकती है। ऐसा कैसे हो सकता है कि जब अचानक उसका पार्टनर किसी और से शादी कर ले, तब केस दर्ज कराए।

चीफ इंजीनियर के घर में छापेमारी

● घर में मिला करोड़ों का कैश, नोट गिनने को मंगाई गई मशीन ● विजलेंस की टीम को देखकर खिड़की से फेंके नोटों के बंडल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर ने घर में इतना कैश रखा था कि जब विजिलेंस टीम की छापेमारी की भनक लगते ही वह रुपयों का बंडल फ्लैट से फेंकने लगा। विजिलेंस टीम को भी रुपये गिनने के लिए 7-8 कर्मचारियों की ड्यूटी लगानी पड़ी। कैश गिनने के लिए मशीन भी मंगाना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, चीफ इंजीनियर के घर में 2.1 करोड़ की नगदी बरामद हुई। ओडिशा की विजिलेंस टीम को चीफ इंजीनियर बैकुंठ नाथ सारंगी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। इस आधार पर स्पेशल जज (विजिलेंस) ने सर्च वॉरंट जारी किया। छापेमारी के लिए 8 डीएसपी, 12 इंस्पेक्टर और छह असिस्टेंट सब इंपेक्टर

की टीम बनाई गई। विजलेंस टीम ने शुक्रवार को सारंगी के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चीफ इंजीनियर भुवनेश्वर के अपने फ्लैट में थे।

एक शिफ्ट में हो नीट पीजी का एग्जाम, 'सुप्रीम' आदेश

कहा-समय चाहिए तो आवेदन कर सकते हैं, 15 जून को होनी है परीक्षा

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह आदेश दिया। छात्रों ने 2 शिफ्ट में परीक्षा के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। उनका कहना था कि 2 शिफ्ट में एग्जाम से क्वेश्चन पेपर के डिफिकल्टी लेवल में फर्क होता है, जो फेयर इवैल्युएशन नहीं है। परीक्षा में हासिल किए गए नंबर्स में भी फर्क आ जाता है। नीट पीजी एग्जाम 15 जून को होना है जिसके लिए एडमिट कार्ड 2 जून को जारी होंगे।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मामले की जल्द सुनवाई की है। बेंच ने कहा- ये तर्क माना नहीं जा सकता कि एग्जाम कराने के लिए एनबीई (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन) को पर्याप्त सेंटर नहीं मिले। 2 शिफ्ट में एग्जाम कराना फेयर नहीं है। दो पेपर्स का डिफिकल्टी लेवल कभी एक जैसा नहीं हो सकता। नॉर्मलाइजेशन का इस्तेमाल एक्सेप्शनल केसेज में होना चाहिए, न कि रुटीन परीक्षाओं में। इस साल का एग्जाम 15 जून को होना है। अभी भी एग्जामिनेशन बॉडी तय करने और सेंटर्स चुनने के लिए 2 सप्ताह से ज्यादा का समय बाकी है। इसके बावजूद अगर और समय की जरूरत होती है तो आवेदन कर सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने एनबीई को नीट पीजी परीक्षा 2025 एक ही शिफ्ट में पारदर्शिता के साथ कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि 15 जून 2025 को होने वाले नीट पीजी एग्जाम के लिए अभी भी इंतजाम करने का समय है। एनबीई को चाहिए कि वह सेटंर ढूंढे और पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराए। सेंटर सुरक्षित होने चाहिए।

अंकिता मर्डर केस में भाजपा नेता के बेटे समेत 3 लोगों को उम्रकैद

कोटद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री के बेटे पुलकित आर्य समेत 3 को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलकित के अलावा उसके दो कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी सजा सुनाई गई है। कोटद्वार जिला कोर्ट ने इस मामले में 2 साल 8 महीने के बाद फैसला दिया है। तीनों दोषियों पर 50 -50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अंकिता ऋषिकेश में पुलकित आर्या के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता गायब हो गई थी। 24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर में मिला था। कोर्ट का फैसला आने से पहले अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह ने बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। उन्होंने कहा- जिन दरिंदों ने उनकी निर्दोष बेटी को मारा, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए। 19 साल की अंकिता ऋषिकेश के वनंतरा रिसॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करती थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता अचानक गायब हो गई थी। इसके बाद उसके पिता ने रिसॉर्ट पहुंचकर कर्मचारियों से पूछताछ की।

ऐपल, गूगल, फेसबुक सब पर लग गई सेंध!

● 18.4 करोड़ से ज्यादा पासवर्ड हुए ऑनलाइन लीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन डेटा लीक ऐसी मुसीबत है जो लोगों की डिजिटल सुरक्षा को खतरे में डालता है। एक नए लीक में 18.4 करोड़ से ज्यादा पासवर्ड खतरे में आ गए हैं। ये पासवर्ड ऐपल, गूगल, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों से संबंधित बताए गए हैं। साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर जेरेमिया फाउलर ने इस लीक को खोजने का दावा किया है।

उनके मुताबिक ऑनलाइन ऐसा अनसेफ डेटाबेस मिला है जिसमें लाखों ईमेल और पासवर्ड थे। वह डेटाबेस एक अनएन्क्रिप्टेड टेक्स्ट फाइल के रूप में था यानी उसे खोलना बेहद आसान था। डेटाबेस में ऐसी जानकारी थी जिसके जरिए लोगों के बैंक अकाउंट और फाइनेंशनल अकाउंट्स में लॉगइन किया जा सकता था।

एके-47 के लिए 4 लाख, पिस्टल पर 30 हजार का 'ईनाम' घोषित

● सरकार की 'हथियार लाओ ईनाम ले जाओ' वाली योजना हो रही सफल

रायपुर (एजेंसी)। हथियार लाओ कैश ले जाओ! आपने अक्सर तस्वीरें देखी होंगी, जिसमें नक्सली महंगे हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करते दिखाई देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि सरकार की ओर से इन हथियारों के लिए भी नक्सलियों को पैसा दिया जाता है ताकि हिंसा में इस्तेमाल होने वाले ये खतरनाक हथियार ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सरकार के पास जब्त हो सकें।

हाल ही में छत्तीसगढ़ में 18 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर कर दिया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर 31 मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के सफाये को लेकर काम करने में लगी हुई हैं। इसके लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। खुद सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने माना कि विकास कार्यो से प्रभावित होकर उन्होंने हथियार छोड़ने का मन बनाया है।

जाति जनगणना से पहले बनेगी कास्ट लिस्ट

देश की सभी पार्टियों से सहमति लेगी केन्द्र की सरकार

एससी-एसटी गिनती में हैं, लेकिन ओबीसी पर असमंजस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाति जनगणना से पहले केंद्र सरकार जातियों की सूची बनाएगी, ताकि सुनियोजित डेटा इकट्ठा हो। जातियों पर राजनीतिक सहमति के लिए इसे सर्वदलीय बैठक में भी रखा जाएगा। राजनीतिक पार्टियों के सुझावों-आपत्तियों के आधार पर सूची फाइनल होगी। गृह मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की हाल में हुई बैठक में यह तय हुआ। जातीय जनगणना के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय समन्वयक रहेगा। जातियों की मान्य सूची जरूरी है, क्योंकि अनुसूचित जाति और जनजाति तो गिनती में हैं। लेकिन अन्य पिछड़े वर्ग की जातियों पर असमंजस है। देश में जनगणना

की प्रक्रिया 2026 में शुरू होने की संभावना है। 2011 की जनगणना में जाति-उपजाति का आंकड़ा 46.73 लाख मिला था। यह अविश्वसनीय माना गया था। आखिरी जातीय जनगणना 1931 में हुई थी, जिसमें 4,147 जातियां बताई गई थीं। मंडल कमीशन ने 1980 में अनुमान लगाया था कि ओबीसी 52 फीसदी हैं। अनुसूचित जाति में 28 राज्यों में 1109 जातियां हैं। अनुसूचित जनजाति में 705 जातियां हैं। सामान्य श्रेणी की जातियों की आबादी 30 फीसदी और जातियों के बाहर मुस्लिम, ईसाई और अन्य वर्ग की आबादी 12.56 फीसदी है। यह संख्या अनुमान और सर्वे आधारित हैं। केंद्र ने 30 अप्रैल को जाति जनगणना को मंजूरी दी थी केंद्रीय कैबिनेट ने 30 अप्रैल को जाति जनगणना को मंजूरी दी थी। देश में आजादी के बाद यह पहली बार होगा, जब जाति जनगणना कराई जाएगी। मंत्री ने बताया था कि इसे मूल जनगणना के साथ कराया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने बदली दिग्गज कांग्रेसी की सोच!

● बोले-अनुच्छेद 370 हटने से कश्मीर में आई समृद्धि, खत्म हुआ अलगाववाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा है कि अनुच्छेद 370 को हटाने से कश्मीर में अलगाववाद खत्म हुआ और समृद्धि आई है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था। खुर्शीद ने ये बातें इंडोनेशिया में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कहीं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में विकास हुआ है और हाल के चुनावों में 65 फीसदी मतदान हुआ। खुर्शीद इंडोनेशिया में थिंक टैंक और शिक्षाविदों के सदस्यों से बात कर रहे थे। वह जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। खुर्शीद ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण कश्मीर देश से अलग-थलग महसूस होता था। लेकिन अब इसे खत्म कर दिया गया है।

पीएम मोदी आज लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में करेंगे शिरकत

दतिया और सतना एयरपोर्ट का होगा वर्चुअल लोकार्पण, इंदौर मेट्रो की होगी शुरुआत

क्षिप्रा नदी पर 778 करोड़ के घाट निर्माण कार्यों का भोपाल से वर्चुअल भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300 वी जयंती पर भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित महा सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री मोदी इंदौर मेट्रो तथा सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री क्षिप्रा नदी पर 778 करोड के घाट निर्माण कार्यों का वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ लागत के 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे। उक्त महासम्मेलन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल रहेंगे। इस महासम्मेलन के आयोजन में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय का भी महत्वपूर्ण समन्वय है।

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लोकमाता देवी

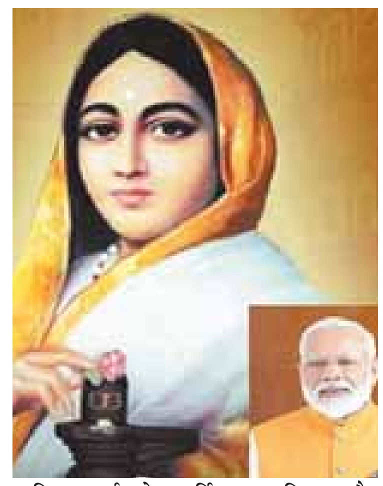

अहिल्या बाई को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। श्री मोदी आदिवासी, लोक और पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में एक महिला कलाकार को राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।

300 रुपए का स्मारक सिक्का होगा जारी

- 31 मई को भोपाल में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर महिला सम्मेलन होगा। पीएम मोदी देश का पहला रू. 300 का स्मारक सिक्का जारी करेंगे। शुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में गजट अधिसूचना भी जारी कर दी है। 35 ग्राम वजनी सिक्के में चांदी की मात्रा 50 प्रतिशत होगी। एक तरफ अहिल्या बाई का फोटो होगा।
- ऊपरी तरफ हिन्दी तथा निचली परिधि पर अंग्रेजी में अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती लिखा होगा। बाएं और दाएं तरफ 1725-2025 लिखा होगा।
- दूसरी तरफ अशोक स्तम्भ के नीचे रुपए के प्रतीक चिह्न के साथ मूल्यवर्ग 300 लिखा होगा अशोक स्तम्भ के दाएं-बाएं हिंदी तथा अंग्रेजी में भारत लिखा होगा।
- यह देश-दुनिया में जारी होने वाला ऐसा पहला सिक्का होगा, जिसका मूल्यवर्ग 300 रुपए है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जंयती पर विशेष डाक टिकिट जारी करेंगे।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती

- मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में 31 मई 2025 को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष में राज्य स्तरीय महिला महासम्मेलन का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को महिला नेतृत्व, न्यायप्रियता और प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक माना जाता है, जिनसे प्रदेश की महिलाएं प्रेरणा लेती हैं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने इंदौर को संवेदनशील, न्यायसंगत और सांस्कृतिक नगर के रूप में स्थापित किया।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के सुशासन के मंत्र को अपनाते हुए प्रदेश सरकार की कई योजनाएं लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना आदि संचालित की जा रही है।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में शिक्षा, धर्म, न्याय और महिला हितों को प्राथमिकता दी।
- प्रदेश की योजनाओं में भी इन्हीं मूल्यों को आधार बनाया गया है।
- मध्यप्रदेश में हर वर्ष अहिल्याबाई की जयंती पर राजकीय कार्यक्रम, पुरस्कार और स्मृति समारोह आयोजित किए जाते हैं।
- लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने काशी, गया, द्वारका जी, सोमनाथ, रामेश्वरम जैसे धार्मिक स्थलों पर मंदिर निर्माण कर धार्मिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण का कार्य किया।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासन में जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में काम किया।
- आज मध्यप्रदेश में समाजिक समरसता और समानता की नीतियों उन्हीं मूल्यों पर आधारित हैं।

दोस्तों के सामने स्विमिंग पूल में डूबा युवक

भोपाल में शादी समारोह में गया था, तेजी से गहरे पानी में गया, ऊपर नहीं आया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में स्विमिंग पूल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। वह शादी समारोह में शामिल होने दोस्तों के साथ फार्म हाउस गया था। यहां स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान डूब गया। दोस्तों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। यहां शुक्रवार सुबह उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना गुनगा के हर्राखेड़ा में बने विकेशन विला फार्म हाउस की है। यहां गुरुवार को शादी का आयोजन था। भोपाल के कबीटपुरा का रहने वाला अयान अहमद (20) दोस्त की बहन की शादी में आया था।

पूरा दिन शादी की तैयारियों में लगा रहा। शादी समारोह से पहले दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने उतर गया। वह नहाते हुए स्लाइड से गहरे पानी में चला गया। इसके बाद ऊपर नहीं आया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

होश में आया, लेकिन अस्पताल में दम तोड़ा- जब अयान पानी में डूबा तो पूल में दस से अधिक लोग मौजूद थे। अचानक एक युवक का ध्यान गया कि अयान पानी में जाने के बाद बाहर नहीं आया। तब जाकर उसे बाहर निकाला गया। लोगों ने पेट दबाकर उसे बचाने का प्रयास किया। तब अयान होश में भी आया, लेकिन अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने सुसाइड किया

मृतका का भाई बोला जीजा के दूसरी औरत से संबंध थे, बहन को प्रताड़ित करते थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिलखिरिया थाना इलाके में महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना गुरुवार देर रात की है। सुसाइड से पहले महिला का पति से विवाद हुआ था। मृतका के मायके पक्ष ने पति पर गैर औरत से संबंध रखने के आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक कांति प्रजापति (27) निवासी हनुमान मंदिर के पास गली नंबर एक कोकता में रहती थी। ढाई साल पहले उसकी शादी छोटे लाल से हुई थी। दोनों की यह अरेंज मैरिज थी। दोनों का डेढ़ साल का एक बेटा है। मृतका के भाई अमित का आरोप है कि जीजा का अन्य महिला से रिश्ता था। इस बात को लेकर बहन आपत्ति लेती थी। इसी के चलते दोनों के बीच विवाद होते थे। बहन का सुसाइड से पहले इसी बात को लेकर जीजा से विवाद हुआ था। जिसके बाद बहन ने सुसाइड कर लिया।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेंगी बेहतर सेवाएं, अतिरिक्त एफओसी का गठन

24 घंटे/सातों दिवस, तीन शिफ्ट में एफओसी टीम करेगी उपभोक्ताओं की समस्याओं का निदान

भोपाल (नप्र)। आंधी-बारिश या आए तूफान अब कैसी भी परिस्थिति हो उपभोक्ताओं को हर समय मिलेगी बिजली सेवाएं और निर्बाध बिजली आपूर्ति। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ता सुविधाओं का ध्यान रखते हुए अब कंपनी कार्यक्षेत्र अंतर्गत निम्न दाब एवं उच्च दाब औद्योगिक उपभोक्ताओं की सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए चयनित वितरण केंद्रों में अतिरिक्त एफओसी गठित करने का निर्णय लिया है। इससे उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ने के साथ-साथ 24 घंटे/सातों दिवस गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने में भी मदद मिलेगी।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे अन्य बड़े शहरों और कस्बों में जो कंपनी द्वारा पूर्व निर्धारित मानदंड की पूर्ति करते हैं और उन शहरों और कस्बों में बिलिंग दक्षता और कलेक्शन एफिशिएंसी तथा एटीएण्डसी हानियों में कमी के अच्छे आंकड़े मिलते हैं तो उन शहरों और कस्बों में भी इसी तरह से एफओसी का गठन करके उपभोक्ता सेवाओं में विस्तार किया जाएगा।

गौरतलब है कि कंपनी द्वारा गठित यह एफओसी टीम 24 घंटे तीन अलग-अलग शिफ्ट में काम करेगी। भोपाल शहर के गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए इंडस्ट्रियल एरिया गेट वितरण केंद्र में नॉर्मल एफओसी, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए बगरौदा तथा बिलकिसगंज वितरण केंद्र में मिनी एफओसी टीम काम करेगी। नॉर्मल एफओसी टीम में कंपनी द्वारा प्रदाय स्मार्ट फोन सहित दो कुशल तथा दो अकुशल कर्मचारी सभी साजो-समान और जरूरी उपकरणों से लैस एफओसी वाहन सहित कार्यरत रहेंगे वहीं मिनी एफओसी में एक कुशल तथा दो अकुशल कर्मचारी काम करेंगे। इसी तरह से निम्न दाब घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कंपनी कार्यक्षेत्र के 6 सर्किलों में नई एफओसी टीम गठित की गई है। इसमें नर्मदापुरम सर्किल में पचमढ़ी टाऊन और सिवनी मालवा टाऊन जोन, राजगढ़ सर्किल में नरसिंहगढ़ शहर, रायसेन सर्किल में बेगमगंज कस्बा, अशोकनगर सर्किल में मुंगावली कस्बा तथा बैतूल सर्किल में आमला टाऊन शामिल है। यहां पर भी एफओसी टीम तीन शिफ्ट में चौबीसों घंटों काम करेगी। प्रत्येक शिफ्ट में एक कुशल तथा एक अकुशल कार्मिक शामिल होंगे जबकि एक कुशल कार्मिक रिलीवर के रूप में तैनात रहेगा। इस तरह से कुल 7 लोगों का स्टाफ रहेगा। यह एफओसी टीम 24 घंटे /सातों दिवस उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा कम्पनी के राजस्व वसूली, नए कनेक्शन, विद्युत उपकरणों का रख रखाव और संधारण के साथ ही उपभोक्ता शिकायतों को दूर करने के लिए त्वरित काम करेगी।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी आमजन और उपभोक्ताओं से अपील की है वे अपने बिजली बिलों का समय पर भुगतान कर निरंतर पेयी कंज्यूमर बने रहें। विद्युत का अनधिकृत उपयोग न करें साथ ही विद्युत चोरी करने वालों की सूचना देकर विद्युत चोरी की रोकथाम में सहयोग करें और कंपनी द्वारा चलाई जा रही इनफॉर्मर स्कीम का लाभ उठाएं। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं द्वारा निरंतर बिल भुगतान किए जाने से अन्य क्षेत्रों में भी निर्धारित क्राइटेरिया प्राप्त होने की स्थिति मै उन क्षेत्रों को भी 24 × 7 समर्पित FOC TEAM उपलब्ध कराई जाएगी।

भोपाल में पीएम संग मंच पर बैठेंगी महिला मंत्री

सिंदूरी साड़ी, सेना जैसी वर्दी में व्यवस्था संभालेंगी कार्यकर्ता; मोदी को सिंदूर का पौधा करेंगी भेंट

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 31 मई को भोपाल के जंबूरी मैदान पर देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित करेंगे। मंच पर देवी अहिल्याबाई के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें भी नजर आएंगी।

महासम्मेलन के लिए भोपाल से 500 किलोमीटर के दायरे के 16 जिलों से महिलाओं को बुलाया गया है। दावा है कि कार्यक्रम में दो लाख महिलाएं शामिल होंगी।

महिला महासम्मेलन में चार महिलाएं पीएम मोदी को सिंदूर का पौधा भेंट करेंगी। यह चारों महिलाएं गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि की होंगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में यह पहला महिला सम्मेलन है।

इस महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन पूरे देश के साथ वैश्विक स्तर पर भी देने की कोशिश बीजेपी की ओर से होगी।

वहीं, दतिया एयरपोर्ट पर उद्घाटन के दौरान जो प्लेन टेक ऑफ करेगा, उसकी पायलट भी महिला होगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू दतिया एयरपोर्ट पर कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इधर, शनिवार को भोपाल में तेज आंधी चलने और हल्की बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने कहा है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ के एक्टिव होने की वजह से ऐसा मौसम रहेगा।

मंत्री-महापौर मंच पर बैठेंगी- जंबूरी मैदान पर बने मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राज्यपाल मंगू भाई पटेल, सीएम डॉ. मोहन यादव, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल बैठेंगे। इन नेताओं के अलावा मंत्री संपतिया उईके, निर्मला भूरिया, प्रतिमा बागरी, राधा सिंह के साथ महापौर मालती राय बैठेंगी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कृष्णा गौर करेंगी।

भोपाल में दसवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाई

झुग्गी में फंदे पर लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अयोध्या नगर शुक्ला क्रेशर बस्ती में रहने वाली दसवीं कक्षा की छात्रा ने गुरुवार रात घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसने यह कदम क्यों उठाया इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। इसी साल उसने नौवीं कक्षा अच्छे नंबरों से पास की थी।

एसआई बृजेश राजपूत ने बताया कि 14 वर्षीय दीपा विश्वकर्मा शुक्ला क्रेशर बस्ती की रहने वाली थी। उसके पिता मजदूरी करते हैं। इसी साल उसने नौवीं कक्षा पास की है। परिजनों ने बताया कि लड़की ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया।

रात के समय में उसने झुग्गी में फांसी लगा ली थी। मां ने बेटी को फंदे पर लटका देख पड़ोसियों की मदद से शव को उतारा। इसके बाद अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जिसके चलते खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोवा के स्थापना दिवस की बधाई दी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोवा राज्य के स्थापना दिवस की गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सांवत और नागरिकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और विकास के नए प्रतिमान की धरा गोवा, सदैव प्रगतिपथ पर गतिमान रहे और नागरिकों के जीवन में सुख-समृद्धि, प्रसन्नता की बढ़ोतरी हो, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता गरीब, वंचित, कमजोर वर्ग के कल्याण के साथ लोकतंत्र की सुदृढ़ता और देश की प्रगति के लिए समर्पित है। हिन्दी पत्रकारिता ने ऐसे अनमोल रत्न प्रदान किए हैं, जिन्होंने पत्रकारिता जगत के साथ हिंदी साहित्य को भी समृद्ध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रकारिता जगत के सभी बंधुओं को अपने कर्तव्य निर्वहन से नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

भोपाल में पीएम मोदी के प्रोग्राम को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी

देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर 31 मई को यह सड़कें रहेंगी डायवर्ट

भोपाल (नप्र)। 31 मई 2025 को राजधानी के जंबूरी मैदान में होने जा रहे देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तीकरण सम्मेलन में प्रदेशभर से हजारों महिलाएं शामिल होंगी। इस भव्य आयोजन में लगभग 5000 बसों के जरिए महिलाओं का आगमन प्रस्तावित है। आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए यातायात पुलिस ने मार्ग, पार्किंग और डायवर्जन व्यवस्था जारी कर दी है।

इन मार्गों से होगी बसों की आवाजाही और पार्किंग

- इंदौर, खंडवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर की ओर से आने वाली सभी बसें खजूरी रोड, बकानिया डिपो, मुबारकपुर, लांबाखेड़ा, चोपड़ा कला, पटेल नगर बायपास होते हुए आनंद नगर से जंबूरी मैदान पहुंचेंगी और पार्किंग स्थल में पार्क की जाएंगी।
- राजगढ़ (ब्यावरा), गुना, अशोकनगर से आने वाली बसें मुबारकपुर जोड़, लांबाखेड़ा जोड़, चोपड़ा कला जोड़ होते हुए पटेल नगर बायपास, आनंद नगर से जंबूरी मैदान जाएंगी।
- सागर, रायसेन, विदिशा से आने वाले वाहन पटेल नगर चौराहा, आनंद नगर होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे।
- नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल से आने वाली बसें 11 मील, मिसरोद रोड, आरआरएल तिराहा, एम्स, बरखेड़ा पठानी होकर सेंट जेवियर के पीछे पार्क होंगी।
- जबलपुर, नरसिंहपुर से आने वाली बसें 11 मील, खजूरी कला जोड़ से एसओएस रोड होते हुए जंबूरी मैदान पहुंचेंगी।
- भोपाल शहर से आने वाली बसें प्रभात चौराहा, आईटीआई तिराहा, पिपलानी पेट्रोल पंप होते हुए एनसीसी ग्राउंड और भेल दशहरा मैदान में पार्क की जाएंगी।

चार पहिया, दोपहिया व वीआईपी वाहन

- आम लोग गोविंदपुरा टर्निंग से महात्मा गांधी तिराहा होते हुए सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग में वाहन खड़ा कर सकेंगे।
- वीआईपी पासधारी वाहन गोविंदपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा, अयप्पा मंदिर, गैस गोदाम होकर सेंट जेवियर स्कूल के सामने पार्किंग में खड़े होंगे।
- मीडिया वाहन गोविंदपुरा टर्निंग से गैस गोदाम के बीच निर्धारित मीडिया पार्किंग में पार्क होंगे।
- ट्रैफिक दबाव वाले मार्ग, सुबह 6 बजे से
- बोर्ड ऑफिस, गोविंदपुरा टर्निंग, अन्ना नगर, सद्भावना चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, सेंट जेवियर स्कूल, अवधपुरी तिराहा , पटेल नगर बायपास, आनंद नगर, रत्नागिरी तिराहा, पिपलानी पेट्रोल पंप

वैकल्पिक मार्ग

- अवधपुरी, बीकानेर मिष्ठान, सुरभि इनक्लेव, ऋषिपुरम्, चर्च चौराहा, विजय मार्केट, बरखेड़ा, गुलाब उद्यान, डीआरएम ऑफिस, हबीबगंज अंडरब्रिज से 10 नंबर मार्केट की ओर आवाजाही की जा सकती है।
- पिपलानी/अयोध्या नगर के वाहन आईटीआई तिराहा, प्रभात चौराहा होकर निकल सकते हैं।

बसों और भारी वाहनों के लिए डायवर्जन

- नर्मदापुरम, जबलपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल की ओर से आने वाली बसें 11 मील, हबीबगंज नाका होते हुए आईएसबीटी की ओर जाएंगी। इनका नादरा बस स्टैंड की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- सागर, छतरपुर, दमोह से आने वाली बसें पटेल नगर बायपास, 11 मील, हबीबगंज नाका होकर आईएसबीटी जाएंगी।

एमपी के 36 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। नौतपा के छठवें दिन, शुक्रवार को भी मध्यप्रदेश में बारिश हुई। मौसम विभाग ने भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर समेत 36 जिलों में अलर्ट जारी किया है। नरसिंहपुर समेत 6 जिलों में आंधी की रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा तक रहेगी। इससे पहले गुरुवार को 10 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी मध्यप्रदेश के ऊपर से एक टर्फ गुजर रही है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है।

शुक्रवार को नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बारिश की खबरें थी। आंधी की रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा या इससे अधिक भी रह सकती है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, उमरिया, कटनी और मैहर में भी तेज आंधी और बारिश का अलर्ट है।

आमतौर पर नौतपा के दौरान प्रदेश में भीषण गर्मी का असर रहता है। कई जिलों में पारा 48 डिग्री के पार पहुंच जाता है, लेकिन इस बार आंधी-बारिश का दौर जारी है। पिछले पांच दिन (25 से 29 मई तक) कई जिलों में तेज आंधी चली और बारिश हुई। छतरपुर में गुरुवार को मौसम खराब होने से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दौरा रद्द हो गया था। गौरिहार में बने हेलीपैड में पानी भर गया और सभास्थल पर लगा टेंट भी उखड़ गया। सतना, सागर, मऊगंज, राजगढ़, श्योपुर, छतरपुर के खजुराहो, गुना में तेज आंधी के साथ बारिश हुई।

वहीं, कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। ग्वालियर, खजुराहो, गुना, टीकमगढ़, शिवपुरी और रतलाम में ही पारा 40 डिग्री या इससे अधिक रहा।

एसीएस विनोद कुमार और डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार हुए रिटायर

जीएडी और गृह विभाग आज-कल में जारी करेंगे पदोन्नति के बाद पदस्थापना आदेश

भोपाल (नप्र)। अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार और डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार का शुक्रवार को शासकीय सेवा में अंतिम कार्य दिवस है। इसी तरह दतिया कलेक्टर संदीप कुमार मॉकिन भी आज से रिटायर हो गए हैं। इन अफसरों को 31 मई को रिटायर होना है लेकिन 31 मई को शनिवार का अवकाश होने के चलते ये आज से ही सेवानिवृत्त होंगे। होमगार्ड डीजी अरविंद कुमार के रिटायर होने के बाद गृह विभाग ने उनके स्थान पर प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव को नया होमगार्ड डीजी पदस्थ किया है। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नए एसीएस के नाम को लेकर अभी आदेश जारी किया जाना बाकी है।

मनीष रस्तोगी को किया जा सकता है प्रमोट- 1989 बैच के आईएएस अफसर अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार आज हो गए हैं। ऐसे में अपर मुख्य सचिव के रिक्त पद पर एक दो दिनों में मनीष रस्तोगी की पदस्थापना की जा सकती है।

आईएएस पदक्रम सूची में प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी से सीनियरिटी क्रम में हरिरंजन राव का नाम है लेकिन राव दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं और उनके फिलहाल एमपी वापसी की सूचना भी नहीं है। इसलिए राव को काल्पनिक पदोन्नति देते हुए सामान्य प्रशासन विभाग रस्तोगी को अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोट करने का आदेश जारी कर सकता है।

दूसरी ओर दतिया कलेक्टर संदीप कुमार मॉकिन का रिटायरमेंट भी 31 मई को है। इसलिए एक दो दिन में दतिया में नए कलेक्टर की पदस्थापना की जाएगी। दतिया के लिए 31 मई का दिन महत्वपूर्ण है। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को दतिया के एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण भोपाल से करने वाले हैं। इसलिए दतिया कलेक्टर के पद पर नए अधिकारी की पदस्थापना होने तक मॉकिन 31 मई की शाम तक काम कर सकते हैं।

पहली बार होमगार्ड डीजी की कमान महिला अफसर को

होमगार्ड डीजी अरविंद कुमार 1988 बैच के अधिकारी हैं और आज शासकीय सेवा से रिटायर हो गए। होमगार्ड डीजी कैडर का पद है, इसलिए इस पद पर स्पेशल डीजी की पदस्थापना की गई है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव को स्पेशल डीजी महिला सुरक्षा पुलिस मुख्यालय सेल से अब डीजी होमगार्ड नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान एडीजी एसआईएसएफ पीएचक्यू और पुलिस कल्याण का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अनिल कुमार को एडीजी महिला सुरक्षा पुलिस मुख्यालय और पुलिस कल्याण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

गौरतलब है, होमगार्ड डीजी के लिए प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव के साथ योगेश मुदगल और जी अखेतो सेमा के नाम भी चर्चा में थे। सेमा पहले होमगार्ड में रह चुके हैं और मुद्गल का रिटायरमेंट अगस्त में है। इसलिए प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव को डीजी होमगार्ड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उधर, अरविंद कुमार के रिटायर होने पर एडीजी डीसी सागर स्पेशल डीजी पद पर प्रमोट होंगे। वे एक माह के लिए इस पद पदस्थ होंगे और जून में रिटायर हो जाएंगे।

संपादकीय

सेना प्रमुखों का वाजिब दर्द

देश के वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह एवं नौसेनाध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा देश में रक्षा परियोजनाओं में अक्षम्य देरी को लेकर जो सार्वजनिक टिप्पणी की है, वह एक सच्चे सैनिक का दर्द है। सरकारी तंत्र को इसे पूरी गंभीरता और जवाबदेही से लेना चाहिए। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 में इन दोनों सेना प्रमुखों ने शिरकत की और सार्वजनिक मंच से तंत्र की खामियों को उजागर किया। इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' और भविष्य की रणनीतियों पर अपनी बात रखी। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्र की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय बलों ने मिलकर इसे बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया। उन्होंने रक्षा सौदों के समय से पूरा न हो पाने के मामले एक बार फिर उठाया और इस काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चाहे वह जमीन की ताकत हो या जल की, वायुसेना हमेशा रहेगी। हम जो भी ऑपरेशन करते हैं, हम उसे वायु सेना के बिना नहीं कर सकते। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम सिर्फ भारत में उत्पादन के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें भारत में ही डिजाइनिंग और विकास शुरू करने की जरूरत है। जब संख्या में उत्पादन की बात आती है तो क्षमता सामने आती है। इसलिए हमें सेनाओं और उद्योग के बीच इस विश्वास को बनाए रखने की जरूरत है। लेकिन सबसे अहम जो बात उन्होंने कही वो रक्षा परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा न होना है। उन्होंने कहा कि समय सीमा एक बड़ा मुद्दा है। एक बार समय सीमा तय हो जाने के बाद मुझे लगता है कि एक भी परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई है। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता? अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय कभी-कभी हमें यकीन होता है कि यह काम पूरा नहीं होगा, लेकिन हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं। उनका इशारा भारत के आधुनिक फाइटर विमान तेजस की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर था। जिसके बारे में डीआरडीओ का कहना है कि वो अत्याधुनिक स्टेल्थ तेजस 2035 तक बनाकर देगा। यानी अभी दस साल और लगेंगे। इसी तरह एचएएल ने अगस्त 2021 में वायुसेना के साथ 83 तेजस एमके-1ए फाइटर जेट बनाने का सौदा किया था। इसकी कीमत 48 हजार करोड़ रुपये थी, लेकिन सरकार उसके बाद 97 अतिरिक्त तेजस का ऑर्डर भी दिया। एचएएल को पहले तेजस एमके-1ए की डिलीवरी 31 मार्च, 2024 तक करनी थी, अब तक यह शुरू नहीं हो पाई है। उधर हमारा दुश्मन पाकिस्तान चीन से अत्याधुनिक स्टेल्थ विमान हासिल करने जा रहा है। अगर इस बीच युद्ध हुआ तो हम क्या करेंगे? भारतीय वायुसेना उससे कैसे निपट पाएगी। इस मामले में स्वदेशी पर जोर है, अच्छी बात है, लेकिन जब हमारा युद्धक विमान नहीं बन जाता तब तक तो हमे विदेशों से स्टेल्थ युद्धक विमान आयात करने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। उधर नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' से युद्ध का चरित्र बदल रहा है। हर दिन हम नई तकनीकें खोज रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें यह स्पष्ट रूप से बताया है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए। इसलिए अपनी स्वयं की विचार प्रक्रियाओं को फिर से तय करने के लिए बहुत काम करने की आवश्यकता है, जो पहले से ही चल रहा है। उम्मीद है कि मोदी सरकार सेना प्रमुखों की चिंता के अनुरूप तेजी से सकारात्मक निर्णय लेकर देश के रक्षा कवच को और मजबूत बनाएगी।

मोदी सरकार में भारत की अर्थव्यवस्था का जम्प

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसका कारण भारत में भू-राजनीतिक स्थिति और बहुत अनुकूल आर्थिक वातावरण है। भारत आज 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और यह परिवर्तन जबरदस्त है, और यह देश की कहानी कहता है। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज जापान से बड़ा है और आज भारत से आगे सिर्फ जर्मनी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। लेकिन भारत को यह सफलता आसानी से हासिल नहीं हुई है। अर्थव्यवस्था का आकार जीडीपी द्वारा मापा जाता है, और यह जापान की तुलना में कुछ अधिक है।

भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह मोदी सरकार और देश के 1.4 अरब भारतीयों के लिए गर्व की बात है। भारत को पहले हाथियों और सांपों की भूमि के रूप में जाना जाता था। अब वह विकसित नहीं बल्कि विकास के पथ पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रही है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यन ने हाल ही में कहा था कि यह हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अमेरिका और जर्मनी तीन ऐसे देश हैं और यह जानकारी सिर्फ भारत ने ही नहीं बल्कि आईएमएफ ने भी दी है, जो भारत विरोधी है। इसलिए ये आंकड़े विश्वसनीय हैं क्योंकि यहां मोदी के भक्त नहीं हैं, बल्कि मोदी के भक्त हैं, बल्कि भारत से नफरत करने वाले भी हैं। निस्संदेह यह गर्व की बात है कि भारत अब जापान को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका श्रेय मोदी और 140 करोड़ भारतीयों को जाता है। यह इस देश के प्रत्येक नागरिक का है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसका कारण भारत में भू-राजनीतिक स्थिति और बहुत अनुकूल आर्थिक वातावरण है। भारत आज 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और यह परिवर्तन जबरदस्त है, और यह देश की कहानी कहता है। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज जापान से बड़ा है और आज भारत से आगे सिर्फ जर्मनी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। लेकिन भारत को यह सफलता आसानी से हासिल नहीं हुई है। अर्थव्यवस्था का आकार जीडीपी द्वारा मापा जाता है, और यह जापान की तुलना में कुछ अधिक है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में विकास दृष्टिकोण 6.2 प्रतिशत था, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी मांग के कारण, निजी भागीदारी और खपत के साथ-साथ भारत की बाजार क्षमता और व्यापक आर्थिक क्षेत्र, वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह की भागीदारी में वृद्धि के कारण समर्थित था।

नीति आयोग के अनुसार, यदि भारत प्रति व्यक्ति आय में प्रगति कर रहा है और यह अगले कुछ वर्षों में आशाजनक है, तो यह कुछ हद तक आशावादी है। विश्व बैंक और आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि भारत अगले दो वर्षों के लिए दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के नियोजित विकास को रणनीतिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत विनिर्माण क्षेत्र में एक वैकल्पिक देश बन रहा है, लेकिन इसे अपने बाजार को मजबूत करना चाहिए और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए इसका उपयोग करना चाहिए।

भारत रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए आयात शुल्क की बाधाओं को दूर करने में सक्षम रहा है, लेकिन उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों को अपनाने के लिए श्रमिकों के लिए नौकरियां पैदा करने की भी आवश्यकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी ने बाहर मांग को धीमा कर दिया है। घरेलू मांग भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौटी है। यह बाधा अर्थव्यवस्था के तेजी से विकास के लिए एक बाधा बनी हुई है। यदि ऐसे झटके नहीं आते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था में बचत और निवेश के स्तर के संदर्भ में अगले कुछ वर्षों में वृद्धि करने की क्षमता है। हालांकि, इसके लिए अधिक संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में सत्ता संभाली थी। तब से लेकर अब तक भाजपा सत्ता में है और देश की प्रगति निरंतर और निरंतर होती रही है। कांग्रेस शासन के दौरान, निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास खो दिया और भ्रष्टाचार के कई मामलों ने निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर दिया था। लेकिन जब मोदी सत्ता में आए तो उन्होंने कहा 'ना खाने दूंगा न खाऊंगा...' घोषणा की गई थी और तदनुसार भ्रष्टाचार की एक भी शिकायत दर्ज नहीं की गई है। वरना कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार के कई मामले खबरों में थे और अखबारों में रोज नए-नए मसाले पहुंचाए जा रहे थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। मोदी के आने के बाद से यह गुणात्मक बदलाव आया है। इससे निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है और भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन यह एक आसान काम नहीं था। मोदी का असाधारण दृढ़ संकल्प और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ मोदी को सभी भारतीयों का समर्थन इसकी वजह थी। अगर आर्थिक विकास के आंकड़ों को केवल ध्यान में रखा जाए, तो भी मोदी सरकार का प्रदर्शन इन 10 वर्षों में प्रभावशाली रहा है। बेशक, यह स्वीकार करना होगा कि मोदी का प्रदर्शन, असामान्य होने के बावजूद, प्रशंसा के लिए पर्याप्त नहीं है। भले ही मोदी सरकार का आर्थिक प्रदर्शन जबरदस्त है, लेकिन लाखों भारतीय गरीब बने हुए हैं। और नौकरियों की गंभीर वास्तविकता है। इसलिए, हम यह नहीं कहते कि भारत तब तक खुश है जब तक युवाओं को रोजगार का लाभ नहीं मिलता।

यद्यपि अर्थव्यवस्था संतोषजनक है, फिर भी कुछ अड़चनें हैं, सबसे पहले, गरीबी। गरीबी और असमानता की असली तस्वीर सामने नहीं आ रही है। मोदी ने सड़कों और बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर ज़ोर दिया है, और इसलिए आज देश में कई जगहों पर अच्छी सड़कें और पुल और पुल बनते हुए हम देखते हैं, लेकिन साथ ही डिजिटल सिस्टम का इस्तेमाल उस हद तक नहीं बढ़ा है, जितना होना चाहिए। मोदी को इस बारे में सोचना चाहिए क्योंकि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहना ठीक नहीं है और उसी तरह व्यापार करना जारी रखना अच्छा नहीं है। यह किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है। मोदी शौचालय बनाने की योजनाएं लेकर आए और देश को खुले में शौच से मुक्त बनाया। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर अभी भी यही स्थिति है और अंत में, जैसा कि अमर्त्य सेन ने कहा, उस विकास का फल तब तक अंतिम तक पहुंचा हुआ कहा जा सकता है जब तक कि अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को विकास का फल नहीं मिलता। नहीं। मोदी को इस संबंध में अभी बहुत काम करना है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी यह काम करेंगे। भारत के विकास ने एक छलांग लगाई है लेकिन महामारी और इसके दौरान खाद्य वितरण तेजी से हुआ है। यह निस्संदेह सराहनीय था, लेकिन इसी अवधि में, सरकार के भोजन बिल में पांच गुना वृद्धि हुई।

यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह देश भर में सभी में सकारात्मक विचार पैदा करे कि ट्रम्प की बाधाओं ने भारत जैसे देशों के लिए आत्मनिर्भरता का अवसर पैदा किया है और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि घरेलू आर्थिक सुधारों और अन्य देशों द्वारा भारत को दिए गए झुकाव उपायों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। यदि विकास की यही गति जारी रहती है, तो हम अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ सकते हैं। यह भी कहा जाता है कि इस तरह की भविष्यवाणियों का उपयोग देशवासियों के मन में उत्साह पैदा करने के लिए किया जाता है। बेशक, जर्मनी में सक्षम, प्रशिक्षित और युवा लोगों की भारी कमी है। इससे अर्थव्यवस्था कुछ हद तक प्रभावित हो रही है। इसके विपरीत, भारत को युवाओं की सबसे बड़ी संख्या होने से लाभ होगा।

ऐसे अन्य कई क्षेत्र हैं जिन्होंने मोदी की सफलता में योगदान दिया है। जहां तक उन क्षेत्रों का सवाल है, मोदी के काम से बिजली की मात्रा और इसके बढ़ते उपयोग के साथ-साथ डीबीटी के जरिए गरीबों को नकदी का हस्तांतरण भी कम हुआ है। मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत का अकुशल और गरीब वर्ग अभी भी काफी हद तक बेरोजगार है और मोदी सरकार उनके लिए नौकरी प्रदान करने में सक्षम नहीं है। भारत की अधिकांश आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है। ये चुनौतियां हैं, लेकिन मोदी की सफलता निश्चित रूप से अभूतपूर्व है।

भारत कृषि, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, परिवहन, संचार, खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से विनिर्माण और निर्यात में बड़ी छलांग लगा सकता है। अर्थव्यवस्था को सुधारने और विकसित करने के लिए आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ाई जानी चाहिए। इस तथ्य को स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि मैक्रोइकॉनॉमिक्स की गुदगुदी प्रगति सिक्के के किसी भी पक्ष की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करती है, और विकास के साथ आने वाली असमानता हमेशा ढकी रहती है।

मुर्शिदाबाद के पीछे की सोच

मुद्दा

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

उच्च न्यायालय की तरफ से गठित तथ्य-खोजी समिति की मुर्शिदाबाद हिंसा संबंधी रिपोर्ट किसी को भी डराने के लिए पर्याप्त है। जिन लोगों ने मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के विरुद्ध एकपक्षीय हिंसा पर काम किया है उनके लिए यह रिपोर्ट स्वाभाविक है। किंतु अभी तक कानूनी परिभाषा में इसे आरोप की परिधि में रखा गया था। इस रिपोर्ट के बाद सारे आरोपों की पूरी तरह पुष्टि हो गई है। ध इस रिपोर्ट के पहले पश्चिम बंगाल पुलिस ने भी उच्च न्यायालय में 34 पृष्ठ की रिपोर्ट पेश की थी। पुलिस रिपोर्ट की कुछ पंक्तियां देखिए- लगभग 4.25 बजे अचानक भीड़ अनियंत्रित हो गई..पुलिसकर्मियों पर ईंट, पत्थर फेंकने लगी... पुलिस कर्मियों को मारने के इरादे से लाठी, हसुआ, लोहे की छड़ और घातक हथियारों आदि से हमला करना शुरू कर दिया। उपद्रवियों ने एसडीपीओ जंगीपुर की पिस्तौल छीन ली, जिसमें 10 राउंड गोली लोड था। भीड़ ने एसडीपीओ जंगीपुर के एक वाहन और एक हाईवे पेट्रोलिंग वाहन के साथ उमरपुर में सार्वजनिक संपत्तियों में आग लगा दी। आप कल्पना करिए स्थिति कैसी रही होगी! अगर पुलिस से पिस्तौल छीनी जा रही थी तो बंगाल की पुलिस किस अवस्था में रही होगी इसकी कल्पना करिए। हालांकि उच्च न्यायालय रिपोर्ट में पुलिस को सबसे ज्यादा कठघरे में खड़ा किया गया है। 17 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य वाली तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। रिपोर्ट में कुछ बातें प्रमुख है। पहले, हिंसा केवल हिंदुओं के विरुद्ध थी और सुनियोजित थी। दूसरा, स्थानीय तृणमूल के मुस्लिम नेता और पार्षद ने हिंसा का नेतृत्व किया। तीसरा, लोगों ने पुलिस से मदद मांगी, पुलिस ने न हिंसा रोकने की कोशिश की और न पीड़ितों को सुरक्षा देने की ही। यह रिपोर्ट ऐसी है जिसके बाद पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के होने का कोई कारण नहीं है। कल्पना करिए अगर आज से तीन दशक पूर्व ऐसी हिंसा होती जिसमें पूरे एक समुदाय के विरुद्ध हिंसा में कानून के शासन की धज्जियां उड़ जातीं तो वह सरकार निस्संदेह बर्खास्त होती। आज की स्थिति वैसी नहीं है। क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति शासन लागू होने और सरकार के बर्खास्त करने को संवैधानिक रूप से गलत ठहरा सकती है। राज्यपाल ने केन्द्र को भेजी रिपोर्ट में केंद्र सरकार सरकार से संवैधानिक विकल्पों' पर विचार करनेका सुझाव तो दिया, हालात बिगड़ने पर अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन) को विकल्प बताते हुए भी लिखा कि अभीजरूरत नहीं है।

जरा सोचिए, इतनी भयानक हिंसा और पुरुषों को तो छोड़िए महिलाओं और बच्चों के दर्दनाक आपबीती के बावजूद ममता बनर्जी ने एक शब्द आरंभ में सहानुभूति का नहीं बोला। वह और उनकी सरकार के मंत्री, नेता सब इसको भाजपा का षड्यंत्र बताते हुए बीएसएफ पर ही आरोप लगा रहे थे कि बांग्लादेश से बुलाकर हिंसा करवा दिया है। कायदे से तो बीएसएफ की ओर से भी उच्च न्यायालय अपील दायर होनी चाहिए थी। आखिर किस आधार पर इतना संगीन आरोप मुख्यमंत्री ने लगा दिया जिन्होंने संविधान के तहत सफल शपथ लिया है? कम से कम उच्च न्यायालय की समिति की रिपोर्ट के बाद ममता से औपचारिक रूप से यह पूछा जाना चाहिए। इस रिपोर्ट के अनुसार 11 अप्रैल को नए वक्फ संशोधन कानून के विरुद्ध प्रदर्शन की आड़ में हिंदुओं कौन निशाना बनाया गया। बेतबोना गांव में 113 घर जला दिए गए। रिपोर्ट में कहा गया है, 'एक आदमी गांव में वापस आया और उसने देखा कि किन घरों पर हमला नहीं हुआ है और फिर बदमाशों ने आकर उन घरों में आग लगा दी।' यह कैसे संभव हुआ? यानी गांव जला दिए गए लेकिन पुलिस प्रशासन वहां अनुपस्थित रहा। सोचिए, पानी का कनेक्शन काटा गया ताकि आग बुझाए न जा सके। सबसे निकृष्ट काम महिलाओं का वस्त्र तक को जला देना था ताकि पहनने को कपड़े नहीं बचे। सबसे शर्मनाक भूमिका तो पुलिस की थी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। बेतबोना के ग्रामीण ने शुक्रवार को शाम चार बजे और शनिवार को शाम चार बजे फोन किया, लेकिन पुलिस ने फोन नहीं उठाया।' पुलिस ने मालदा में शरण लिए हुए पीड़ितों को ढाका से बेतबोना गांव में लौटने को विवश कर दिया। साफ है कि ऐसा यूं ही नहीं हुआ होगा। सरकार की ओर से पुलिस प्रशासन पर दबाव रहा होगा कि पलायन कर गए लोगों को बुलाया जाए क्योंकि इससे केवल भारत ही नहीं बाहर भी सरकार की थूथू हो रही है। रिपोर्ट ने जिस तरह पुलिस प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है उससे पश्चिम बंगाल पुलिस सिर उठाने लायक भी नहीं रही। कहा गया है कि प्रशासन की तरफ से हिंसाग्रस्त इलाकों में किसी भी व्यक्ति की मदद नहीं की गई और न ही इस हिंसा में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई।

रिपोर्ट की यह पंक्ति देखिए -जिस तरह हिंसा को अंजाम दिया गया, उससे यह साफ जाहिर होता है कि यह सुनियोजित था, जिसे पूरे व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया गया। रिपोर्ट में पार्षद और पुलिस दोनों के बारे में जो कहा गया उसे देखिए- 'हमले स्थानीय पार्षद की तरफ से निर्देशित किए गए थे,' स्थानीय पुलिस पूरी तरह से 'निष्क्रिय और अनुपस्थित' थी। घटना देखिए, शुक्रवार को नमाज के बाद भीड़ निकलती है और करीब 2:30 से हिंदुओं के विरुद्ध वही दृश्य खड़ा किया खड़ा हो गया जो हमने पिछले दिनों बांग्लादेश में देखा। इसमें कहा गया है, 'बदमाशों ने घर के सभी कपड़ों को मिट्टी के तेल से जला दिया और घर की महिला के पास तन ढकने के लिए कपड़े नहीं थे।' तो इसमें कोई संदेह नहीं कि इसके पीछे पूरे क्षेत्र को हिंदूविहीन करने का षड्यंत्र था, जो जो स्वतंत्रता के पहले से चल रहा है। पहलगाम हमले में धर्म पूछ कर हिंदुओं को मारने वाले आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर जैसा युगांतकारी पराक्रम दिखाया। लेकिन बंगाल के हिंसक तत्वों, जिन्हें आतंकवादी कहने में भी समस्या नहीं होनी चाहिए, के विरुद्ध कैसा ऑपरेशन सिंदूर करना होगा? पाकिस्तान के फील्ड मार्शल और तब थल सेना अध्यक्ष जनरल आसिफ मुनीर ने यही तो कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते हैं। दोनों दो कौमें हैं और यही विचार पाकिस्तान बनाने की नींव है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि इस बात को अपनी बच्चों को बताते रहना ताकि कोई भूल न पाए। मुर्शिदाबाद में भी क्या यही विचार हिंदुओं के विरुद्ध भयानक हिंसा के पीछे नहीं था? क्या पश्चिम बंगाल में इसके पहले हिंदू पर्व त्योहारों पर हमले नहीं हुए? चुनाव में तृणमूल के विरुद्ध वोट देने वाले हिंदुओं की क्या दशा हुई? उन्हें किस हालत में पलायन करना पड़ा यह भी देश के सामने है। हम पाकिस्तान के आसिफ मुनीर के विरुद्ध अपनी भृकुटियां तान सकते हैं लेकिन पश्चिम बंगाल और मुर्शिदाबाद में बैठे ऐसे आसिफ मुनीरों की पहचान कैसे होगी और उनके साथ क्या किया जाएगा? हम पाकिस्तान में भारत विरोधी आतंकवादियों को सरकार और आईएसआई द्वारा संरक्षण देने की बात करते हैं। उच्च न्यायालय की समिति के अनुसार यहां गैर मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा करने वालों को भी पुलिस का साथ मिलता है। बंगाल विशेषकर मुर्शिदाबाद में भी पुलिस ने घटना से आंखें मूंद कर इन उग्रवादी समूहों को एक प्रकार से काम करने की स्वतंत्रता ही दी। पाकिस्तान सरकार भी वहां गैर मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा या उनके धर्म परिवर्तन तथा भारत में आतंकवादी हमले को नकारते हुए भारत पर ही आरोप लगाती है। ममता बनर्जी की भूमिका भी ठीक वैसे ही है। उन्होंने पूरी घटना को आरएसएस बीजेपी की साजिश बता दिया। तो इसके बारे में क्या शब्द और विचार प्रकट करेंगे?

रिपोर्ट में शमसेरगंज के जाफराबाद इलाके में हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या का जिक्र करते हुए कहा गया है, 'उन्होंने घर का मुख्य दरवाजा तोड़ दिया और उसके बेटे और उसके पति को ले गए और उनकी पीठ पर कुल्हाड़ी से वार किया। एक आदमी तब तक वहां इंतजार कर रहा था जब तक वे मर नहीं गए।' दोनों पिता पुत्र का दोष यह था कि वे हिंदू देवी - देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। तो यह कैसी सोच है कि मूर्तियां बनाने वाला इनका दुश्मन हो गया? मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद वहां गए राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बंगाल को दोहरा खतरा है खासतौर पर बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में ज्यादा है क्योंकि यहां हिंदू आबादी अल्पसंख्यक है। इसी तरह उन्होंने नौर्थ दिनाजपुर को भी हिंदुओं के लिए खतरनाक बताया।

दिवस - उत्सवों की बाढ़ में उलझा इंसान

दृष्टिकोण

अजय कुमार बियानी

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

हर सुबह जब मैं अख़बार खोलता हूँ, तो मौसम से ज़्यादा तारीख देखनी पड़ती है- यह जानने के लिए कि आज कौन-सा 'दिवस' है। पहले तो लगता था कि साल में एक-दो ख़ास दिन होते हैं - स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती... अब तो ऐसा लगता है जैसे कैलेंडर ने भी नौकरी छोड़ दी हो और सोशल मीडिया को आउटसोर्स कर दिया हो।

आज की तारीख क्या है? 'सर, आज राष्ट्रीय हैमबर्गर दिवस है, साथ ही राष्ट्रीय ब्रिस्केट दिवस भी।' 'अच्छा खाने का मूड है आज तारीख़ को।' लेकिन ठहरिए! यहीं कहानी ख़त्म नहीं होती... आज राष्ट्रीय फ्लिप फ्लॉप दिवस भी है, जो हमें गर्मियों में पहने जाने वाले चप्पल की उपयोगिता का अहसास कराता है। और उसी के बगल में खड़ा है विश्व भूख दिवस- जी हाँ, यही विरोधाभास हमारे समाज की विडंबना है। एक तरफ़ लोग सोशल मीडिया पर हैमबर्गर की तस्वीरें डाल रहे हैं, और दूसरी तरफ़ दुनिया की आधी आबादी भूख से लड़ रही है।

और फिर आया - मासिक धर्म स्वच्छता दिवस! एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा, जिसे लेकर कई NGO, स्कूल और संस्थाएँ जागरूकता फैला रही हैं। लेकिन यही गंभीरता तब थोड़ी हल्की लगने लगती है जब उसी दिन लोग इंस्टाग्राम पर 'हैपी हैमबर्गर डे!' की पोस्ट डाल रहे हों। राष्ट्रीय वरिष्ठ स्वास्थ्य एवं फिटनेस दिवस- एक उम्मीद की किरण इस भागती दौड़ती जिंदगी में बुजुर्गों की फिटनेस को समर्पित एक दिन भी है। पार्क में अब 'बाबा जी ज़ोर से बोलो- फिटनेस ज़िंदाबाद!' जैसे नारे सुनाई देने लगे हैं। व्हाट्सऐप ग्रुपों में अब योगा विडियो और च्यवनप्राश के फॉरवर्ड्स की भरमार है। यह दिन कमर के दर्द से लेकर ज़िंदगी की रफ्तार पकड़ने का प्रयास है।

कैलेंडर बनाम इंसान पिछले महीने मेरे भांजे ने पूछा- 'मामा, क्या आज भी कोई डे है?' मैंने झुंझलाकर कहा- 'बेटा, जब तक इंटरनेट है, तब तक हर दिन कोई डे है। अब तो हालत यह है कि कोई भी डेट आती है, तो लोग पूछते हैं - 'बोलो, आज किस चीज़ का राष्ट्रीय दिवस है?' पहले लोग 'तारीख याद रखना' रिश्तों की निशानी मानते थे। अब लोग पूछते हैं - 'अरे वो डे कब आता है यार जब सब ग्रीन टी पीते हैं?' 'हर दिन कोई दिवस'- व्यापार का नया फॉर्मूला इन दिनों हर ब्रांड इन 'दिवसों' का इंतज़ार करता है, जैसे 90 के दशक में लोग संडे की रामायण का इंतज़ार करते थे। 'हैप्पी हैमबर्गर डे!' पर बर्गर पर 50 प्रतिशत छूट, 'फ्लिप फ्लॉप डे' पर चप्पलों की सेल और 'ब्रिस्केट डे' पर बकरे की किस्मत तय। यानी भावना चाहे जो भी हो, मुनाफा सबसे ऊपर है। लेकिन क्या हर दिन दिवस होना ज़रूरी है? कई दिवस तो वाकई ज़रूरी हैं - जैसे विश्व भूख दिवस या मासिक धर्म स्वच्छता दिवस, क्योंकि ये गंभीर सामाजिक समस्याओं की ओर हमारा ध्यान खींचते हैं। लेकिन जब इनका पड़ोसी बन जाता है कोई हॉट डॉग दिवस या नेशनल नो डाइट डे, तो समस्या गहराती है - संवेदनशीलता और बाज़ारवाद की जुगलबंदी में।

दादी जी का जवाब जब मैंने दादी से पूछा कि 'आज क्या मनाना चाहिए- हैमबर्गर दिवस या भूख दिवस?' उन्होंने चश्मा ऊपर खिसका कर जवाब दिया- 'बेटा, अगर पेट भरा हो, तो भूख समझ नहीं आती। और अगर पेट खाली हो, तो हैमबर्गर सपना बन जाता है।'

हर दिन को कोई नाम देना बुरा नहीं है, लेकिन उस नाम के पीछे का मकसद याद रखना ज़रूरी है। सिर्फ़ इंस्टाग्राम स्टोरीज़, ट्विटर ट्रेंड और सेल्स ऑफ़र्स से आगे बढ़कर अगर हम वास्तव में विश्व भूख दिवस पर किसी भूखे को खाना खिला पाएं, राष्ट्रीय वरिष्ठ फिटनेस दिवस पर दादाजी को लेकर पार्क जा पाएं, और मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर किसी लड़की को सेनेटरी पैड दिला पाएं, तभी इन दिवसों की सार्थकता है।

बाकी आप चाहें तो आज बर्गर खा सकते हैं, चप्पल पहनकर टहल सकते हैं और दादी से फिटनेस टिप्स भी ले सकते हैं - आखिर राष्ट्रीय दिवस है भाई, कुछ तो करना बनता है!

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कवि हो न निराश करो तन को

व्यंग्य

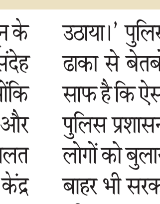

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वीर रस के बीवी से पल पल सहमे कवि शिरोमणि! तुम वीर कवि हो, कायर पाठक नहीं। जो हरदम बीवी की संगीन का सहमी छाती लिए शान से सामना करे, वह कायर नहीं होता। जिस तरह सीमाओं पर हरदम डरके साए में वहां के नागरिक जीने की कला सीख जाते हैं, उसी तरह तुमने भी सोए सोए बीवी के भय के साए में जीने की कला सीख ली है। तुमने ताउम्र रॉयल्टी आने का इंतजार करने की कला सीख ली है। तुमने कविता के हित में हर बार प्रकाशक से ठगे जाने की कला सीख ली है। भले ही तुम्हारी पूछ तुम्हारे घर में भी न हो, फिर भी तुम कोई साधारण नहीं, असाधारण कवि हो! जो कवि हो तो न निराश करो मन को। निराश होना पाठक का दायित्व है। कभी गृहस्थी की तरफ से तो कभी तुम्हारी कविताओं की तरफ से।

रे कवि! क्या हुआ जो सीजफायर हो गया! क्या हुआ जो डरपोक कवि की वीर रस से सनी कविताओं के प्रकाशित न होने पर पढ़ने से समाज वंचित रह गया! वैसे भी आज के पाठकों ने भय से समझौता कर लिया है। ऐसे में जो सीजफायर भी न होती तो भी तुम्हारी वीर रस की कृत्रिम कविताओं से उसमें जोश जगाने की संभावना न के बराबर ही होती। लाख जोश भरने के बाद भी अब सब सहमे सहमे ही जागते हैं, सहमे सहमे ही सोते हैं। पगले! गम न कर जो सीजफायर हो गया। तुम्हारी वीर रस की कविताओं ने न सही तो न सही, कम से कम जनता ने तो सीजफायर होने पर चैन की सांस ली।

आज पाठक का लेखक की ओर से वंचित रहना अब आम बात है। भाव के स्तर पर भी और कथानक के स्तर पर भी। वंचितों के हिस्से में अब वंचनाओं के अतिरिक्त और कुछ नहीं।

पगले! वैसे आजतक किसी भी घर में कभी सीजफायर हुई है क्या? अपने मन के भीतर कभी सीजफायर हुई है क्या? वहां तो हरदम भयंकर युद्ध चला रहता है। घर का युद्धजन्य माहौल हरदम वीर रस की कविताएं लिखने के लिए बना ही रहता है। ऐसे में सहमे हुए भी वीर रस की कविताएं लिखते रहो। फेसबुक पर बेदर्द सर्द सीने पर चिपकाते रहो। कोई और न सुने तो अपनी कविताएं अपने को सुनाते रहो। वैसे भी यह दौर किसीको सुनाने का नहीं। अपनी कथाएं व्यथाएं खुद ही बांचने का दौर है।

देखो तो, सीजफायर होने के बाद इनके उनके बीच ट्विटर पर कितना घमासान मचा है? ये वे सब एक दूसरे पर तोप के गोलों से भी अधिक गरज रहे हैं। एक दूसरे के खेमों पर बिजली बन कड़क रहे हैं। अहा! कितना जुबानखराबा हो रहा है? वाह! सब कितने जोश से विरोधी पार्टियों के खिलाफ मोर्चा खोले हैं। अहा! बाहर से भरे पूरे दिखने वाले भीतर से कितने पोले हैं? देखो तो मुंह में खुखरियां लिए ये किस तरह एक दूसरे को ललकार रहे हैं? देखो तो ट्विटर पर ये वे एक दूसरे को किस तरह फटकार रहे हैं? देखो तो वे ट्विटर पर किस तरह एक दूसरे पर गीदड़ों की तरह दहाड़ रहे हैं? देखो तो ये वे ट्विटर पर किस तरह कोबरों से भी अधिक एक दूसरे पर फुफकार रहे हैं?

जनता भूख से लड रही है। जनता भय से लड़ रही है, जनता गरीबी से लड़ रही है। जनता बेरोजगारी से लड़ रही है। भूखे पेट भी पूरी शिद्दत से धर्म से लड़ रही है। जनता राजनीति जनित हर टाइप की महामारी से लड़ रही है। उतने सैनिक सरहद पर संगीनें ताने नहीं रहते जितने ये टिवट्र के वीर टिवट्र पर संगीने ताने रहते हैं। एक से एक अत्याधुनिक जुबानें निशाने रहते हैं।

हे कवि! इनको उत्साहित करने के लिए वीर रस की कविताएं लिख। उन्हें फेसबुक पर प्रकाशित कर। फेसबुक पर अपनी दोस्त बनी बीवी को उत्साहित कर। अपने वीर रस का कवि होने का धर्म निर्वासित कर।

अहिल्याबाई होलकर

शिवप्रकाश

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

शाश्वत मूल्यों का पालन करने वाली महारानी

समाज जीवन में सक्रिय अनेक सामाजिक संगठनों ने इस कार्य को बड़े उत्साहपूर्वक संपन्न किया है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में 21 मई से 31 मई तक 10 दिवसीय अभियान लोकमाता अहिल्याबाई की स्मृति को समर्पित किया है। महारानी अहिल्याबाई होलकर के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके प्रेरणा प्रद जीवन से प्रेरित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ग़रीब कल्याण की योजनाओं एवं 'विकास से विरासत' के उनके संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता कर रहे है। बौद्धिक संवाद, प्रदर्शनी, छात्र-छात्राओं के बीच प्रतियोगिताएँ, मंदिरों व घाटों की स्वच्छता, आरती एवं शोभायात्राओं के माध्यम से यह कार्य संपन्न हो रहा है। राज्यों की सरकारें एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा भी अनेक योजनाओं एवं संस्थाओं का नाम महारानी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर किया गया है।

पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर 31 मई 1725 को अहमदनगर (अहिल्या नगर) के नाम से प्रसिद्ध जनपद के चौंडी गांव में जन्मी थी। यह वर्ष उनके जन्म का त्रिशताब्दी वर्ष है। उनके सुशासन, लोक कल्याणकारी नीतियों एवं आसेतु हिमाचल सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनका 300 वाँ जयंती वर्ष संपूर्ण देश मना रहा है। समाज जीवन में सक्रिय अनेक सामाजिक संगठनों ने इस कार्य को बड़े उत्साहपूर्वक संपन्न किया है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में 21 मई से 31 मई तक 10 दिवसीय अभियान लोकमाता अहिल्याबाई की स्मृति को समर्पित किया है। महारानी अहिल्याबाई होलकर के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके प्रेरणा प्रद जीवन से प्रेरित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ग़रीब कल्याण की योजनाओं एवं 'विकास से विरासत' के उनके संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता कर रहे है। बौद्धिक संवाद, प्रदर्शनी, छात्र-छात्राओं के बीच प्रतियोगिताएँ, मंदिरों व घाटों की स्वच्छता, आरती एवं शोभायात्राओं के माध्यम से यह कार्य संपन्न हो रहा है। राज्यों की सरकारें एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा भी अनेक योजनाओं एवं संस्थाओं का नाम महारानी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर किया गया है।

पश्चिमी विद्वानों ने भारत के संबंध में दुष्प्रचार करते हुए कहा कि 'हिन्दु शासन व्यवस्था अराजक थी', जेम्स मिल ने लिखा था कि 'भारत नैतिक रूप से खोखला और स्वार्थी समाज था जो शासन योग्य नहीं था'। जबकि पश्चिमी देशों में धर्म के नाम पर भीषण अत्याचार हो रहे थे। तब भारत में महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने लोक कल्याणकारी धर्मराज्य की स्थापना की थी।

भारत में धर्म एक व्यापक कल्पना है। जो आर्थिक एवं नैतिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। धर्म व्यक्तिगत जीवन में अर्थोपार्जन एवं मानवीय गुणों के विकास से लेकर मोक्ष तक का मार्ग सिखाता है। वहीं शासनकर्ताओं के लिए आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने वाली नीतियों एवं योजनाओं तथा व्यक्तिगत जीवन में परस्पर आत्मीय व्यवहार, समाज, प्रकृति आदि के साथ अपना संबंध सिखाता है। इसी को ऋषि कणाद द्वारा वैशेषिक सूत्र में कहा गया है कि-

'यतो अभ्युदय निःश्रेयस सिद्धिः स धर्मः'

जो समाज में अभुदय (भौतिक उन्नति), निश्रेय (आध्यात्मिक उन्नति) सिखाता है वही धर्म है।

भारत में धर्म के आधार पर चलने वाले शासन को ही आदर्श शासन माना गया है। जिसमें सभी सुखी एवं निरोगी हो। अर्थात् भौतिक दृष्टि से आर्थिक समृद्ध, सभी को स्वस्थ जीवन प्रदान करने वाली नीतियाँ, परस्पर प्रेम, भय रहित वातावरण, सभी अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन कर सकें ऐसा वातावरण ही आदर्श राज्य का उदाहरण बना। ऐसा योग्य शासन प्रभु श्री राम ने दिया, इसलिए रामराज्य सभी के लिए आदर्श एवं अनुकरणीय राज्य हो गया। रामराज्य के इसी आदर्श का पालन करने का प्रयास सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज, सम्राट हर्षवर्धन जैसे अनेक राजाओं ने किया। विदेशी आक्रमणों के समय इन्हीं मूल्यों की रक्षा करने के लिए महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज सरीखे शासनकर्ताओं ने अपने प्राण को न्योछावर कर दिया। 300 वर्ष पूर्व महारानी अहिल्याबाई होल्कर भी इन्हीं शाश्वत मूल्यों का

पालन करने वाली महारानी थी।

महारानी अहिल्याबाई ने अपने ससुर की मृत्यु के पश्चात 1967 में मालवा राज्य का शासन संभाला। नर्मदा के प्रति भक्ति, व्यावसायिक एवं सामरिकता से उन्होंने अपनी राजधानी नर्मदा के तट पर महेश्वर को बनाया। 28 वर्ष उन्होंने अपनी मृत्यु पर्यन्त यह शासन सत्ता संभाली। किसानों के विकास की योजनाएं, भूमिहीन किसानों को भूमि प्रदान करना, जनजातीय विकास, अपने शासन को अपराध मुक्त करना, रोजगारपरक अर्थनीति, महिला सशक्तिकरण उसके लिए महेश्वरी साड़ी का निर्माण एवं सैनिक कल्याण उनके शासन की विशेषताएँ थीं। 500 महिलाओं की सैनिक टुकड़ी का निर्माण कर एक महिला फौज भी उन्होंने तैयार की थी। महेश्वर साड़ी आज भी उनकी महिला केंद्रित उद्योग नीति को दर्शाती है। प्रजा के प्रति वात्सल्य भाव के कारण उन्हें जनता ने लोकमाता की उपाधि प्रदान की थी।

अपने राज्य की आर्थिक उन्नति के साथ-साथ भारत के सांस्कृतिक उत्थान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मालवा राज्य की महारानी होने के बाद भी सांस्कृतिक उत्थान का कार्य उन्होंने आसेतु हिमाचल किया। जो उनकी अखिल भारतीय दृष्टि को प्रकट करता है। सभी धाम, सभी ज्योतिर्लिंग, समस्त शक्ति पीठ सहित असंख्य मंदिरों का निर्माण, नदियों के घाटों का निर्माण, यात्रियों के रुकने के लिए धर्मशालाओं की व्यवस्था यह उनके द्वारा होने वाले अतुलनीय कार्यों की श्रृंखला है। हिमालय में स्थित बद्रीनाथ, केदारनाथ, काशी स्थित भगवान श्री विश्वनाथ, सोमनाथ, द्वारिका, पुरी जगन्नाथ, रामेश्वरम, सभी के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका है। देश भर में उनके द्वारा कराए गए इन कार्यों की संख्या लगभग 12500 से अधिक है।

महारानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर हम सुशासन एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के केंद्र बनकर विश्वकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध हों। यही लोकमाता अहिल्याबाई के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विशेष

भावना अपराजिता शुक्ला

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

यूं ही नहीं बनी रानी से मां और फिर देवी अहिल्या बाई होल्कर

दूरदर्शी मां अहिल्या ने शुरु की विधवा पेंशन, नारी सशक्तिकरण की सशक्त हस्ताक्षर

आसान नहीं होता सत्ता के कठोर अपरिहार्य चलन को ढकेल कर, ममता को बरकरार रखते हुए सामाजिक रुढ़ियों को तोड़ पाना। बात जब सदियों के काबिज धर्म और पारिवारिवारिक रस्मों और दौर को बदलने की हो तो अच्छे से अच्छे रणनीतिकार, राजनितज्ञ भी विरोध के डर से हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। इस रानी की न्याय प्रियता, शासन संचालन और धार्मिक कार्यों घाटों के निर्माण पर बहुत कछ लिखा गया। लेकिन हम बात करके देवी अहिल्या के नारी उत्थान की दिशा ने किए गए दूरदर्शी कार्यों की।

लेकिन होल्कर घराने की बहु रानी अहिल्या बाई होल्कर - महिला सेना का गठन करने वाली उस दौर की वे शायद प्रथम ही शासक थी। इतना ही नहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं को सामाजिक और आर्थिक रुप से सक्षम बनाने की पहल उन्होंने ही की। देश में पहली बार विधवा पेंशन की शुरुआत हुई। यही वजह है कि उनकी आयु भले ही 70 वर्ष रही हो लेकिन कई पीढ़ियों को, दशकों तक चार सदी बीत जाने के बावजूद भी रानी अहिल्या आज भी प्रासंगिक है।

इतना ही नही, पाखंडी धर्मवेताओं के विरोध को अकाट्य तर्कों, संयम तो कभी कड़क निर्णय ले चुनौती देने से भी नहीं चूकी रानी अहिल्या। और इस तरह समाज के बड़े वर्ग को महिला शिक्षा का अधिकार दिलवाया। कानून को पालन करवाने में महज कड़क रुख नहीं अपनाया वरन ऐसे मानवीयता को प्राथिमकता देते हुए नए कानूनों की ईबारत लिखी। जो आज भी अनुकरणीय है। मसलन, विधवा संपत्ति जप्त होने के कानून को समाप्त किया, विधवा पेंशन लागू की, सती प्रथा को समाप्त किया और महिलाओं के रोजगार की चिंता कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया।

उनके द्वारा स्थापित माहेश्वरी साड़ी का उद्योग आज भी कई परिवारों की रोजी रोटी है। खासकर महिलाएं इसे बखूबी चला रही है। जहां तक बात है पेंशन की तो उस समय यह कानून था कि, अगर कोई महिला विधवा हो जाए और उसका पुत्र न हो, तो उसकी पूरी संपत्ति सरकारी खजाना या फिर राजकोष में जमा कर दी जाती थी, लेकिन अहिल्याबाई ने इस कानून को बदलकर विधवा महिला को अपनी पति की संपत्ति लेने का हकदार बनाया।

महिलाओं के उत्थान के लिए और लड़कियों को अच्छी शिक्षा के साथ रोजगार मिले इसके लिए भी काफी कार्य किए। महाराष्ट्र के चौंडी (वर्तमान में हमदनगर जिले) गांव के एक साधारण परिवार में अहिल्या का में हुआ था। इस छोटी सी बालिका ने बड़े-बड़े योद्धाओं को धूल चटाई। लेकिन जनता के प्रति राजकाज की कठोरता को कभी हावी नही होने दिया। मां नाम है संपूर्णता, समर्पण और बगैर भेदभाव किए बच्चों के खातिर खतरे मौल लेने का। भले ही अहिल्या ने मालवा प्रांत की सूबेदारी का रसूख और रुतबा पाया लेकिन अपने अंदर के ममत्व को जनता के खातिर खोल कर रख दिया। निजी जीवन के मृत्यु तुल्य दर्द, जब पति खांडेराव होल्कर की असामयिक मृत्यु हुई हो महज 19 वर्ष

की उम्र में ही वे विधवा हो जाना या फिर पुत्र का उम्मीद न उतरना, का असर रानी अहिल्या ने कभी अपने शासन संचालन में नहीं किया।

सन् 1766 ई. में वीरवर ससुर मल्हारराव भी चल बसे। अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से एक महान साया उठ गया। और इस तरह उन्हें अकेले शासन की बागडोर संभालनी पड़ी। एक साध्वी की भांति राजवाड़ा स्थित गद्दी पर निर्विकार भाव से संचालन किया। जिस बात को धोतक है शिवलिंग को राजगद्दी पर विराजित कर राज्य की कारवाई करना न कि खुद उस गद्दी पर बैठना। जहां तक हो सका शक्तिशाली अहिल्या बाई ने युद्ध के बजाय सुलह को तवज्जो दी। उनके अनुसार जीत किसी भी हो, उजड़ता एक नारी का घर ही है। राजा राघोवा पेशवा ने युद्ध का इरादा कर सेना को मालवा पर खड़ा कर दिया। इस युद्ध का समाधान अहिल्याबाई ने मात्र एक पत्र से ही कर दिया। इस पत्र में महारानी ने लिखा था कि 'मेरे पूर्वजों के बनाए और संरक्षित किए राज्य को हड़पने का सपना राघोबा आप मत देखिए। अगर आप आक्रमण के लिए आमादा हैं तो आइए, द्वार खोलती हूं। मेरी स्त्रियों की सेना आपका वीरता से सामना करने को तैयार खड़ी हैं। अब आप सोचिए। आप को हार मिली तो संसार क्या कहेगा, राघोबा औरतों के हाथों हार गया। अगर आप जीत भी गए तो आपके चारण और भाट आपकी प्रशंसा में क्या गाएंगे? राघोवा सेना लेकर आया, एक विधवा और पुत्र शोक में आकुल एक महिला को हराने ताकि अपना लालच पूरा कर सके। पेशवाई किसे मुंह दिखाएगी?' इतना जानकर पेशवा ने अपना इरादा बदल दिया। लेकिन जब बहुत आवश्यक हुआ तो तीरंदाज और तलवार बाजी में के ई योद्धाओं को मात देने वाली देवी अहिल्या ने मालवा की जनता के खातिर अपनी महिला सेना के साथ, कई युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लखेरी, मंदसौर और पानीपत के युद्धों में मराठा सेना का नेतृत्व किया। 1793 में लखेरी के युद्ध में जीत हासिल की।

मंदसौर का युद्धः अहिल्याबाई ने मंदसौर के युद्ध में भी मराठा सेना का नेतृत्व किया और इस युद्ध में भी सफलता प्राप्त की। मराठा शासिका अहिल्याबाई ने पानीपत के युद्ध में भी मराठा सेना का नेतृत्व किया। जनता का हित, युद्ध को अपनी चतुराई से तो कभी शौर्य से टाल कर अनगिनत माताओं की कोख और कई सुहागनों के सिंदूर मिटने से बचा लिया।

उनके शांत और शौर्य से ओतप्रोत जीवन का प्रतिबिंब महेश्वर का किला आज भी जब चांदनी में नहाता है तो दूर-दूर से पर्यटकों का मन मोह लेता है। एक अलग ही तरह का सुकून महसूस करते है आंगुतक। इस किले के सामने अतिसुंदर शांत लेकिन चंचल मां नर्मदा की लहरे - मां अहिल्या के सकारात्मकता से भरे विचारों और कार्यों की कहानी बयां करती है। यही वजह है शायद निमाड जहां के ग्रीष्मकाल के दिन रात भयंकर गर्मी के लिए जाने जाते है, तापमान 45 डिग्री तक छू जाता है लेकिन इसके बावजूद लोग दूर-दूर के शहरों गर्मी में इस किले के सामने मां नर्मदा के तट सुकून पाते है क्योंकि वहां रानी अहिल्या की नहीं मां अहिल्या के मातृत्व भाव की ठंडक है, सकारात्मकता का संचार हो रहा है।

अहिल्याबाई : संकल्प, सेवा और करुणा की प्रतिमूर्ति

जयंती पर विशेष

प्रो. रवींद्रनाथ तिवारी

लेखक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में प्राचार्य हैं।

शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान का साधन माना। न्यायालय में विधवा, अनाथ, व्यापारी,किसान - सभी को समान अधिकार और त्वरित न्याय प्राप्त था। वे स्वयं प्रातःकाल राजसभा में बैठतीं, प्रजाजनों की समस्याएँ सुनतीं और समाधान सुनिश्चित करतीं। उनका विश्वास था - 'राजा का धर्म, प्रजा का सुख है।' उनका ध्येय राजनीति नहीं, प्रजापालन था। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी ग्राम में हुआ जहां उनका प्रारंभिक जीवन एक सामान्य कृषक परिवार की कन्या के रूप में बीता। परंतु उनके गुणों की विशिष्टता को पहचान कर तत्कालीन मालवा नरेश मल्हारराव होलकर ने उन्हें अपने पुत्र खंडेराव के साथ परिणय-सूत्र में बाँधा। विवाहोपरांत उनका जीवन शाही वैभव से अधिक सेवा, त्याग और साधना का पर्याय बना।

इतिहास के विस्तृत फलक पर कुछ व्यक्तित्व ऐसे उभरते हैं, जो न केवल अपने समय को दिशा देते हैं, अपितु आनेवाली पीढ़ियों के लिए पथ प्रदर्शक बन जाते हैं। पुण्य श्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की एक ऐसी ही विलक्षण विभूति हैं, जिन्होंने शक्ति और करूणा का अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। भारतवर्ष की संस्कृति, धर्म, शासन और लोक कल्याण की परंपरा में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का नाम उसी श्रेणी में आता है - एक ऐसी धर्मनिष्ठ, न्यायप्रिय और प्रजावत्सला राजमाता, जिनकी स्मृति आज भी जन-जन के हृदय में पूज्यभाव से वंदित होती है। उनके शासनकाल में न केवल मालवा समृद्ध हुआ, अपितु उनके विचार और कृतित्व सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए प्रेरणा बने।

- शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान का साधन माना। न्यायालय में विधवा, अनाथ, व्यापारी,किसान - सभी को समान अधिकार और त्वरित न्याय प्राप्त था। वे स्वयं प्रातःकाल राजसभा में बैठतीं, प्रजाजनों की समस्याएँ सुनतीं और समाधान सुनिश्चित करतीं। उनका विश्वास था - 'राजा का धर्म, प्रजा का सुख है।' उनका ध्येय राजनीति नहीं, प्रजापालन था। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी ग्राम में हुआ जहां उनका प्रारंभिक जीवन एक सामान्य कृषक परिवार की कन्या के रूप में बीता। परंतु उनके गुणों की विशिष्टता को पहचान कर तत्कालीन मालवा नरेश मल्हारराव होलकर ने उन्हें अपने पुत्र खंडेराव के साथ परिणय-सूत्र में बाँधा। विवाहोपरांत उनका जीवन शाही वैभव से अधिक सेवा, त्याग और साधना का पर्याय बना। विधि की विडंबना ने उन्हें क्रमशः पति, पुत्र औरससुर के वियोग का वज्राघात सहन करने को विवश किया, किंतु इस अपार पीड़ा कोउन्होंने अपनी आत्मशक्ति, ईश्वरभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से लोकसेवा में रूपांतरित कर दिया। इस परिवर्तन के कारण उन्हें 'लोकमाता'की पदवी प्राप्त हुई। उनका पूरा जीवन साधना से सिंचित एक साध्वी जैसा था।
- अहिल्याबाई ने 1767 में मालवा राज्य की बागडोर संभाली। उन्होंने शासन को विलासिता का माध्यम नहीं, अपितु सेवा और साधना का यंत्र माना। उनका शासनकाल प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत अनुकरणीय रहा – पारदर्शी कर-व्यवस्था, त्वरित न्याय-प्रणाली, स्त्री अधिकारों का संरक्षण, कृषकों एवं व्यापारियों के हितार्थ निर्णय,तथा समाज के हर वर्ग के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार। उनकी एक विलक्षण पहल यह भी थी कि उन्होंने युद्ध को अंतिमविकल्प माना। जहां संभव हुआ, उन्होंने संवाद, समझौता और समन्वय से समाधान निकाले।यही कारण है कि उनके शासनकाल में मालवा पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा। अहिल्याबाई ने राज्यकोष को सार्वजनिक कार्यों में व्यय करने का जो आदर्श स्थापित किया, वह आज के लोकतांत्रिक शासन-तंत्र के लिए भी प्रेरणादायी है। धार नगर को उन्होंने केवल राजधानी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक केंद्र बनाया। उन्होंने शिल्पकारों, वेदज्ञ आचार्यों, संगीतज्ञों औरकवियों को संरक्षण प्रदान किया। उनका दरबार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संवाद का केंद्र था। अपने शासनकाल में अहिल्याबाई ने न केवल मालवा,अपितु सम्पूर्ण भारत के विविध तीर्थस्थलों, मंदिरों, धर्मशालाओं, कुओं, बावड़ियों, घाटों और सड़कों के निर्माण में व्यक्तिगत रूचि ली। उनके द्वारा काशी विश्वनाथ,सोमनाथ, रामेश्वरम, द्वारका, बद्रीनाथ, गया, उज्जैन, त्रयंबकेश्वर आदि में कराए गए पुनर्निर्माण आज भी उनकी आस्था और दूरदर्शिता का जीवंत प्रमाण हैं। वे धर्म को संकीर्णता नहीं, बल्कि सार्वजनीन संस्कृति के रूप में देखती थीं। उनके कार्यों ने उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक अदृश्य सांस्कृतिक सूत्रपात रच दिया, जिससे भारत की आत्मा पुनः जागृत हुई।
- लोकमाता अहिल्याबाई न केवल एक सक्षम शासिका थीं, बल्कि एक ऐसी संत-शासक थीं, जिनका जीवन ईश्वर-भक्ति, नीति, सेवा और करुणा का अद्वितीय संगम था। उनके शासनकाल में प्रजा उन्हें माता के रूप में पूजती थी, औरविद्वत समाज उन्हें 'पुण्यश्लोक' कहकर सम्मानित करता था। ब्रिटिश इतिहासकार जॉनकीन ने उनकी प्रशंसा करते हुए लिखा है कि 'भारत ने अनेक सम्राट देखे, परंतु अहिल्याबाई जैसी आदर्श और धर्मनिष्ठ शासिका दुर्लभ है।' वर्तमान में राष्ट्र लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। आज भारत पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती मना रहा है, ऐसे समय में उनका जीवन एक आदर्श प्रतिमान के रूप में सामने आता है। उन्होंने दिखाया कि सत्ताका अर्थ पराक्रम नहीं, सेवा है; शासन का उद्देश्य नियंत्रण नहीं, कल्याण है। उनकी स्मृति हमें यह सिखाती है कि नारी यदि चाहे तो केवल गृह का नहीं, अपितु पूरे राष्ट्र का संतुलन और उत्थान कर सकती है। निःसंदेह, अहिल्याबाई का जीवन एक दीपशिखाहै, जो समय के अंधकार में भी लोकहित, धर्म, और न्याय के पथ को आलोकित करती है। उन्होंने अपने शासन को धर्म और न्याय की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास किया- यही कारण है कि लोग उन्हें देवी स्वरूप मानते हैं। अहिल्याबाई ने यह सिद्ध कर दिया कि एक स्त्री न केवल शासन कर सकती है, अपितु उसे समाज के उत्कर्ष का आधार भी बना सकती हैं।

जिला अस्पताल से रोजाना औसतन दो से तीन रेफर मरीज, सड़क मार्ग से पहुंचते हैं भोपाल

एयर एंबुलेंस की शुरुआत से अब तक सिर्फ दो मरीजों को मिली सुविधा

संजय द्विवेदी

बैतूल। प्रदेश सरकार ने गंभीर मरीजों को त्वरित उपचार दिए जाने के लिए एयर एंबुलेंस की शुरुआत की है, ताकि गंभीर मरीजों को समय पर त्वरित उपचार उपलब्ध हो सके। इसी उद्देश्य को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते वर्ष 2024 में एयर एंबुलेंस की शुरुआत कर दी थी। लेकिन शुरुआत से अब तक बैतूल जिले के मात्र दो गंभीर मरीजों को ही एयर एंबुलेंस की सुविधा का लाभ मिल पाया है। जिसमें बैतूल जिले से पहला मरीज 21 अगस्त 2024 और दूसरा मरीज को एक पखवाड़े पहले यानि 6 मई 2025 को एयर एंबुलेंस से भोपाल भेजा गया था। यहां यह बताना जरूरी है कि जिला अस्पताल बैतूल से औसतन 2 से 3 गम्भीर मरीजो को प्रतिदिन भोपाल रेफर किया जाता है, इन गम्भीर मरीजों में ऐसे भी मरीज शामिल होते है, जिन्हें त्वरित उपचार की अत्यंत आवश्यकता होती है, किन्तु फिर भी मरीजों को सडक़ मार्ग से भोपाल भेजना मजबूरी हो जाता है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आयुष्मान कार्ड धारकों को एयर एंबुलेंस से भोपाल भेजने पर, शासन इसका खर्च वहन करता है, जबकि अन्य मरीजों को निजी तौर पर एयर एंबुलेंस से भोपाल, नागपुर जैसे बड़े शहरों में एयर लिफ्ट करने पर मरीज को स्वयं खर्च उठाना पड़ता है और ऐसे में प्राय- परिजन, अपने मरीज को अकेले नहीं भेजना चाहते है, जिसके कारण भी एयर एंबुलेंस का लाभ अधिक लोग नहीं उठा पा रहे है।

जिला अस्पताल से प्रतिदिन औसतन दो से तीन गंभीर मरीज रेफर

जिला अस्पताल बैतूल से रोजाना औसतन 2 से 3 गम्भीर मरीजों को रेफर किया जाता है। इन मरीजों में गंभीर बीमारी से पीड़ितों के अलावा एक्सीडेंट केस के मरीज भी शामिल होते है, जो सडक़ मार्ग से भोपाल भेजे जा रहे है। ऐसे में कई बार मरीज भोपाल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते है। जानकारों का कहना है कि जब सरकार ने एयर एंबुलेंस जैसी सुविधाओं की शुरुआत की है तो इसका लाभ हर वर्ग को मिलना चाहिए। खासकर ऐसे मरीजों को, जिनकी स्थिति अति गंभीर की श्रेणी में होती है और उन्हें त्वरित उपचार की अत्यंत आवश्यकता होती है, तो ऐसे मरीजों को एयर एंबुलेंस के जरिए ही रेफर किया जाना चाहिए, जिससे कि उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध हो सके।

बैतूल से भोपाल की दूरी करीब 200 किमी

बैतूल से भोपाल की दूरी करीब 200 किमी है। इस दूरी में भी बरेठा घाट सहित टाइजर रिजर्व क्षेत्र के घाट सेक्शन में अभी भी सडक निर्माण कार्य अधूरा है। ऐसे में सडक़ मार्ग के द्वारा एंबुलेंस को भोपाल पहुंचने में कम से कम 3 से 4 घंटे या इससे अधिक समय लग जाता है। ऊपर से बरेठा घाट एवं आगे के घाट सेक्शन में कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती है, जिससे मरीज समय पर भोपाल नहीं पहुंच पाते है और उनकी जान को खतरा बना रहता है, जबकि एयर एंबुलेंस से मरीज मात्र 35 से 40 मिनट में भोपाल पहुंच जाता है। इतने कम समय पर भोपाल पहुंचने पर मरीज को बेहतर उपचार और सुविधा समय पर मिलने से उसकी जान बच सकती है।

तीन-चार माह तक चला मेंटेनेंस

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन द्वारा जिस कंपनी को एयर एंबुलेंस सेवा प्रदान करने की जिम्मेदारी सौपी गई है। उस कंपनी द्वारा अगस्त 2024 के बाद मेंटनेंस कार्य करवाया गया। जिसके कारण तीन से चार माह तक मेंटेनेंस कार्य करने के चलते एयर एंबुलेंस की सेवाएं बंद रखी गई। अब तीन से चार माह के बाद मेंटेनेंस पूरा हुआ है। इसके बाद बैतूल जिले से गंभीर रूप से घायल मरीज को दूसरी बार 6 मई 2025 को एयर एंबुलेंस से भोपाल भेजा गया। इस प्रकार देखा जाए तो प्रदेश में एयर एंबुलेंस की सेवा की शुरुआत से अभी तक मात्र दो मरीजों को ही एयर एम्बुलेंस से भोपाल भेजा गया है, जबकि यह सेवा गंभीर मरीज के लिए वरदान बताई जाती है। लेकिन इस सेवा का लाभ सभी गंभीर मरीजों को नहीं मिल पा रहा है और मजबूरन गंभीर मरीजों को सड़क मार्ग से ही भोपाल लेकर जाना पड़ रहा है।

इन दो मरीजों को मिला एयर एंबुलेंस का लाभ

21 अगस्त 2024 को पहला मरीज भेजा गया था भोपाल

बैतूल जिले की आठनेर तहसील के ग्राम चकोरा निवासी शेखलाल हरले को 21 अगस्त 2024 को निश्शुल्क एयर एंबुलेंस योजना के तहत भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उस समय शेखलाल हरले को भवन निर्माण कार्य के दौरान ऊपर से नीचे गिरने से गंभीर चोट आ गई थी और उनकी रीढ़ की हड्डी में गम्भीर चोट आने से उनके कमर के नीचे का हिस्सा काम नहीं कर रहा है। ऐसे में उन्हें सड़क मार्ग से ले जाने में खतरा बताया गया था, इसलिए एयर एंबुलेंस का उपयोग किया गया। वे बैतूल से एयरलिफ्ट होने वाले पहले मरीज बने थे। पहली बार एयर एंबुलेंस से मरीज एयरलिफ्ट हुआ था और घंटों का सफर मिनटों में हुआ पूरा होकर उन्हें त्वरित उपचार मिल गया था।

6 मई 2025 को दूसरा मरीज हुआ था एयरलिफ्ट

बैतूल जिले से दूसरा मरीज 6 मई 2025 को एयर लिफ्ट हुआ था। बैतूल के हेमराज लोखंडे को एयर एंबुलेंस से भोपाल के हमीदिया अस्पताल एयर लिफ्ट किया गया था। भैंसदेही तहसील के ग्राम घोगामा के रहने वाले 45 वर्षीय हेमराज को ट्रक में माल चढ़ाते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। बताया जाता है कि हेमराज के फ्रंटल बोन में फ्रैक्चर हो गया था और सिर में बेहद आंतरिक रक्तस्राव हो रहा था। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत भोपाल रेफर किया गया और यहां से बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर द्वारा हमीदिया अस्पताल भेजा गया।

इनका कहना है –

एयर एंबुलेंस से मात्र मरीज को ही एयर लिफ्ट किया जाता है, उनके परिजन या अटेंडर को नही। ऐसे में प्राय- ज्यादातर केसों में परिजन अपने मरीज को अकेले भोपाल भेजना मंजूर नहीं करते है। आयुष्मान कार्ड धारक को यदि एयर एंबुलेंस सेवा से एयर लिफ्ट किया जाता है तो इसका खर्च सरकार वहन करती है, वहीं निजी तौर पर एयर एंबुलेंस की सेवा लेने पर कंपनी द्वारा तय की गई राशि के अनुसार मरीज को भुगतान करना होता है। अभी तक बैतूल जिले से दो मरीजों को एयर एंबुलेंस का लाभ मिला है।

– डॉ. नीतेश चौकीकर,
प्रभारी एयर एंबुलेंस सेवा, बैतूल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल रोहतक में भगवान परशुराम जयंती आयोजन में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रोहतक में भगवान परशुराम जयंती आयोजन में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भगवान परशुराम को नमन कर उपस्थित जनों से संवाद किया। इस दौरान हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री अरविंद शर्मा एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जंबूरी मैदान में पीएम मोदी के मुख्य कार्यक्रम स्थल पर महिला चिकित्सकों के हाथों में होगी कमान

भोपाल। जंबूरी मैदान में आयोजित हो रहे लोक माता देवी अहिल्या बाई महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में जनसामान्य के लिए स्वास्थ्य एवं आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है । मुख्य कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान में 10 बिस्तरीय क्लीनिक बनाया गया है , जिसमें आकस्मिक परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देकर मरीज को शीघ्र ही रेफरल करने की व्यवस्था की गई है । यहां पर डेढ़ सौ से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है जिनमें से 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। कार्यक्रम की नोडल ऑफिसर भी महिला अधिकारियों को बनाया गया है।

सम्मेलन को देखते हुए सभी अस्पतालों को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है । सीएमएचओ कार्यालय भोपाल द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश निरस्त करते हुए शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं को निर्धारित समय पर खुले रहने के आदेश जारी किए गए हैं । सभी प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर 108 एंबुलेंस वाहनों की तैनाती की गई है । लगभग 40 एम्बुलेंसेज विभिन्न स्थानों पर तैनात रहेंगी। इसके अलावा बड़ी संख्या में बसों की आवाजाही को देखते हुए भोपाल पहुंचने के सभी राजमार्गों पर भी एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है जो मिनिमम रिस्पांस टाइम में सेवाएं देंगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि वीवीआईपी ड्यूटी, एयरपोर्ट, हेलीपेड इत्यादि के अतिरिक्त जनसामान्य के लिए सभी चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं की कमान महिला चिकित्सकों एवं महिला स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में रहेगी।

छात्रावास की बेटियों को मिली ठंडे पानी की सौगात

रेत कंपनी परम डिस्ट्रीब्यूटर ने भेंट किया वाटर कूलर

बैतूल। गर्मी के इस मौसम में अब छात्रावास की बेटियों को राहत मिलेगी। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास शाहपुर में रेत कंपनी परम डिस्ट्रीब्यूटर की ओर से छात्राओं के लिए 80 ली का वाटर कूलर भेंट किया गया। इस पहल से छात्रावास में रह रहीं छात्राओं को अब ठंडा पानी मिल सकेगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शाहपुर के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ. अभिजीत सिंह मौजूद रहे। उनके साथ परम डिस्ट्रीब्यूटर के जनरल मैनेजर सतीश सिंह जादौन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मोहनलाल, प्रमोद सिंह, प्रदीप साहू, मन्नू सिकरवार, चंद्रप्रकाश मिश्रा सहित कई गणमान्य जन मौजूद थे। छात्रावास की अधीक्षिका लता चौधरी ने कंपनी के इस सराहनीय कदम के लिए आभार जताया और कहा कि इससे यहां रह रहीं बच्चियों को गर्मी में बहुत राहत मिलेगी। सामाजिक दायित्व के तहत की गई इस पहल को क्षेत्र में खूब सराहा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इसे एक प्रेरणास्पद कदम बताते हुए कहा कि निजी संस्थाओं को समाज के प्रति इसी तरह की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

केंद्रीय विद्यालय में समर कैंप संपन्न

विद्यार्थियों ने जाना विभिन्न राज्यों का खानपान, वेशभूषा एवं संस्कृति

बैतूल/मुलताई। केंद्रीय विद्यालय मुलताई में भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन किया गया। एक सप्ताह तक चले इस कैंप में विभिन्न गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों को भारत के राज्यों की

भाषा खान-पान, वेशभूषा एवं संस्कृति से अवगत कराया गया। इस कैंप का उल्लेखनीय पहलू यह है कि राज्य की फोक पेंटिंग, मध्य प्रदेश की गोंड पेंटिंग व महाराष्ट की वारली पेंटिंग विद्यार्थी द्वारा बनाई गई। मराठी भाषा में विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित फिल्म दिखाई गई। साथ ही मराठी भाषा में गीत संगीत सिखाया गया विद्यार्थियों को देश के प्रति देश प्रेम जागृत करने के लिए तथा देश के सैनिकों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर व ऑपरेशन विजय शॉर्ट मूवी विद्यार्थी को दिखाई गई। शिविर में सिंधी भाषा में राष्टभक्ति से बहुत क्रोध गीत सीखकर बच्चों ने समूह में गायन किया एवं विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम की इतिहास से अवगत कराया गया। बैतूल जिले के सेनानियों के विशेष रूप से चलचित्र भी दिखाए गए और भारत की प्रमुख नदियां और ऐतिहासिक इमारत पर आधारित गतिविधियां आयोजित की गई। कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं में स्थलों की जानकारी एकत्र की और सामूहिक रूप से चर्चा में भाग लिया। इस समर कैंप के माध्यम से भारतीय भाषा एक-एक करके सीख गया, जिसमें केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से मातृभाषा के साथ-साथ विद्यार्थी अन्य भाषा को भी सीख सके। अंतिम दिन प्राचार्य कालिका प्रसाद द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि विभिन्न भाषाओं का हमें सम्मान करना चाहिए, वह उसकी उपयोगिता के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया। विद्यालय के शिक्षक यशवंत राव वागदे ने समर कैंप में अहम भूमिका निभाई तथा विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियां हर रोज करवाई गई सहयोग के रूप में विद्यालय के शिक्षक राजेश ठाकरे, सचिन उपस्थित थे।

गुरु अर्जुनदेव के शहीदी दिवस पर गुरुद्वारे में सजा विशेष कीर्तन दिवान

लंगर के साथ कई स्थान पर ठंडे शरबत की छबील भी लगाई गई

बैतूल। जपयो जिन अरजन देव गुरु फिर संकट जोन गरभ न आयो। शहीदों के सरताज, शांति के पुंज, नम्रता के सागर सिख पंथ के पांचवे गुरु गुरु अरजन देवजी महाराज का शहीदी गुरुपुरब गुरुद्वारा श्री गुरुसिंघ सभा बैतूल में शुक्रवार को श्रद्धा भावना के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरबजीत सिंह वालिया ने बताया कि सुबह 10 बजे से 11.15 तक संगत ने श्री सुखमनी साहेब जी के पाठ किए उपरांत संगत द्वारा रखे गए श्री सहज पाठ की समाप्ति सुबह 11.30 बजे हुई फिर सुबह 11.30 बजे 12.45 बजे तक विशेष कीर्तन दीवान सजाए गए जिसमें गुरु घर के वजीर भाई अरविंदर सिंघ जी ने संगत को अपनी अमृतवाणी मीठा लगे तेरा भाना शब्द से निहाल किया, उपरांत समाप्ति गुरु का लंगर 12.45 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित हुआ।

कमेटी के कोषाध्यक्ष हरदीप सिंह बग्गा ने बताया कि ठंडे शरबत की सेवा (छबील) दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक गुरुद्वारा परिसर में फिर दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक गंज बस स्टैंड के सामने लगाई गई। सैकड़ों संगत ने शहीदी गुरपुरब में गुर घर पर अपनी हाजरी लगाकर एवं ठंडे शरबत की छबील पर अपनी सेवा देकर गुरु महाराज जी की खुशियां प्राप्त की। वहीं दूसरी ओर दवा व्यवसाई मनजीत सिंह साहनी के प्रतिष्ठान साहनी एंड संस सिविल लाइंस गंज में भी सुबह 11 बजे से देर शाम तक चने पूड़ी और ठंडे शरबत की सेवा (छबील) आयोजित हुई जिसका हजारों राहगीरों ने लाभ लिया।

क्रिस्प में छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला साइबर क्राइम एवं डिजिटल दुनिया में महिलाओं की सुरक्षा पर आधारित थी

भोपाल। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (सीआरआईएसपी) भोपाल द्वारा 30 मई को 'साइबर क्राइम एवं डिजिटल दुनिया में महिलाओं की सुरक्षा' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों से अवगत कराना और उनसे बचाव के उपाय सिखाना था।

इस कार्यशाला में 150 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें क्रिस्प प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रशिक्षार्थी एवं श्रमोदय मॉडल आईटीआई की छात्राएँ भी शामिल थीं। कार्यशाला का संचालन एच.आर टीम से आयुषी विदुआ ने किया और कार्यशाला को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल साक्ष्य विशेषज्ञ एडवोकेट अक्षय बाजपेयी ने संबोधित किया।

उन्होंने साइबर क्राइम के प्रकारों पर बात की कैसे कई बार अनजाने में साइबर क्राइम को खुद बुलावा देते है और बाद में पछताते है। आगे उन्होंने साइबर स्टॉकिंग, हरासमेंट, बुलीइंग, फिशिंग, रैंसमवेयर, सेक्सटॉर्शन, और सोशल इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की। इसके अलावा पासवर्ड सुरक्षा, ऑनलाइन बैंकिंग और सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा पर भी व्यावहारिक सुझाव दिए गए।

कार्यशाला के अंत में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक साइबर अपराधों से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ ने विस्तृत उत्तर दिया।

इस कार्यशाला के माध्यम से क्रिस्प ने न केवल साइबर सुरक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर छात्राओं को जागरूक किया, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आत्मनिर्भर बनने, आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान की रक्षा करने और तकनीकी जानकारी से सशक्त होने की दिशा प्रेरित किया

राष्ट्रीय अंडर ग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज में एम्स भोपाल ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

भोपाल। एम्स भोपाल ने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एक बार फिर अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए 6वीं राष्ट्रीय अंडरग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन 30 मई 2025 को एम्स भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग द्वारा संस्थान परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर के 35 मेडिकल संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। 18 व 19 मई 2025 को आयोजित प्रारंभिक स्क्रीनिंग राउंड के आधार पर चयनित शीर्ष 5 टीमों ने एम्स भोपाल में ऑफलाइन मोड में फाइनल राउंड में प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिता में, प्रथम स्थान पर श्री मानव खत्री एवं श्री नयन पांडे की टीम रही, वहीं द्वितीय स्थान श्री प्रांजल खत्री एवं श्री वेदांत आमलाटे को प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि दोनों ही टीमें एम्स भोपाल की थीं। इसी क्रम में, तृतीय स्थान महात्मा विदुर स्वायत्तशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज, बिजौर, उत्तर प्रदेश से सुश्री मान त्यागी एवं सुश्री अविका जैन की टीम को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने अपने प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा, ऐसे आयोजन न केवल भावी स्वास्थ्यकर्मियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनके विश्लेषणात्मक एवं नैदानिक कौशल को भी सुदृढ़ करते हैं, जो गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके पश्चात, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह एवं प्रो. (डॉ.) शशांक पुरवार (कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक) ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रो. (डॉ.) राजय भारशंकर एवं प्रो. (डॉ.) संतोष वाकोड़े उपस्थित रहे। वहीं, क्विज मास्टर्स की भूमिका में डॉ. संदीप एम. हुल्के, डॉ. रुचि सिंह, डॉ. अविनाश ठाकरे एवं डॉ. शशिधरन शामिल रहे। इस आयोजन के सचिव डॉ. संदीप एम. हुल्के रहे तथा संपूर्ण आयोजन फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) संतोष वाकोड़े के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

ड्रोन से खेतों में कीटनाशक छिड़काव कर संगीता हुई आत्मनिर्भर

हरदा (निप्र)। हरदा विकासखण्ड के ग्राम अबगांव निवासी संगीता चौहान के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह भी कुछ काम करके अपने परिवार की आय बढ़ाना चाहती थी, लेकिन कुछ समझ नहीं आ रहा था। गांव में एक दिन संगीता को पता चला कि महिलाओं के स्वसहायता समूहों को घर पर ही छोटे मोटे व्यवसाय शुरू करने के लिये सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। बस फिर क्या था, संगीता ने अपने आसपास की कुछ महिलाओं से बात कर सिद्धी विनायक आजीविका स्वसहायता समूह गठित कर लिया। समूह की महिलाओं ने ड्रोन संचालन का विधिवत प्रशिक्षण लिया। अब सभी महिलाएं मिलकर ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में कीटनाशक छिड़काव का व्यवसाय अच्छी तरह करने लगी हैं, जिससे इन महिलाओं की आय बढ़ी है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही है। संगीता ने बताया कि ड्रोन संचालन से समूह की महिलाओं को हर माह 10 से 15 हजार रूपये तक आय हो जाती है, जिससे गांव के लोग उन्हें अब ''लखपति ड्रोन दीदी'' कहकर बुलाते हैं तो बड़ा अच्छा लगता है।

चिकित्सा हेतु अस्पताल पहुंचाने और उसकी जान बचजाती है तो 25 हजार का ईनाम

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री मोदी को राहवीर योजना को लागू किए जाने के लिए मंत्रि-परिषद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक्सीडेंट में घायल प्रत्येक व्यक्ति के लिए 108 एम्बुलेंस, एयर एम्बुलेंस तो शुरू की ही है, इसके साथ ही भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राहवीर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना को भी प्रदेश में लागू कर दिया है, इसके क्रियान्वयन के लिए जिला कलेक्टर को आदेशित कर दिया है। योजना में प्रावधान है कि यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में किसी घायल व्यक्ति को उसके गोल्डन-ऑवर (प्रारंभिक 1 घंटे) में चिकित्सा के लिए अस्पताल तक पहुंचाता है, और उसकी जान बच जाती है, उस स्थिति में उसे 25 हजार रूपये का ईनाम दिया जाएगा, जो पूर्व में 5 हजार रूपये था। साथ ही यदि कोई नागरिक घायल व्यक्ति को सीधा अस्पताल ले जाता है, उस स्थिति में अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दी जाएगी। संबंधित व्यक्ति को भी इस पत्र की प्रति दी जाएगी, साथ ही पुलिस द्वारा कलेक्टर को भी इस संबंध में एक पत्र लिखा जायेगा। परिवहन विभाग द्वारा व्यक्ति के खाते में सीधे राशि ट्रांसफर की जावेगी।

महिला बंदियों को दिया स्वरोजगार प्रशिक्षण

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित जिला जेल में महिला बंदियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु आलू चिप्स बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जेल उपाधीक्षक सुश्री ज्योति तिवारी सुश्री बूसी रोबी, सहित वालंटियर्स उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण बेथेल फॉर रेफ्यूज वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दिया गया।

आठनेर की सरिता कोसे बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल, पीएमएफएमई योजना से मिला नया जीवन

बैतूल (निप्र)। प्रदेश सरकार लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाने जा रही है। शासन के प्रयासों से प्रदेश की महिलाएं सशक्त हो रही है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रही है।आठनेर की एक सामान्य महिला श्रीमती सरिता कोसे भी आज ग्रामीण क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। पहले वे पारंपरिक खेती-किसानी का कार्य करती थीं, लेकिन आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के साथ उन्होंने स्वरोजगार की राह अपनाई। सरिता ने अपने घर पर एक पुरानी सेकंड हैंड आटा चक्की मशीन खरीदकर छोटा सा व्यवसाय शुरू किया। हालांकि मशीन की पुरानी स्थिति के चलते उन्हें तकनीकी दिक्कतों और समय की बर्बादी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इसी बीच उन्हें केंद्र सरकार की पीएमएफएमई योजना की जानकारी। योजना के तहत उन्हें 1 लाख 65 हजार रुपये का लोन स्वीकृत हुआ, जिससे उन्होंने एक नई आटा चक्की मशीन खरीदी। नई मशीन से उनका व्यवसाय न केवल आसान हुआ बल्कि अब पहले से कहीं बेहतर चल रहा है। मशीन में कोई परेशानी नहीं आ रही और सरिता को नियमित रूप से अच्छी आमदनी भी हो रही है।

विधायक श्री पटवा ने औबेदुल्लागंज में की विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा

आमजन की शिकायतों, समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। जनपद पंचायत ओबैदुल्लागंज के सभाकक्ष में भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा द्वारा अनुभाग ओबेदुल्लागंज अन्तर्गत आने वाले समस्त विभागों के विभाग प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की गई जिसमें प्रत्येक विभाग के द्वारा बारी-बारी से विभाग के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों व शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसपर विधायक श्री पटवा ने आवश्यक निर्देश दिये। प्रमुख रूप से राजस्व, पीडब्ल्यूडी, पीआईयू,आबकारी,एमपीईबी, स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका, ग्रामीण विकास,महिला बाल विकास,पीएचई, पुलिस विभाग आदि की समीक्षा की गई।* विधायक श्री पटवा द्वारा सभी को निर्देशित किया कि समस्त विभाग ये सुनिश्चित करे कि आमजनो की शिकायतों तथा समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण हो।

जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि 10 पंचायतों को आदर्श बनाने हेतु बैठक करे,सभी पंचायतों में स्ट्रीटलाइट सीसीटीवी कैमरा आदि सुविधाएं सुनिश्चित करे।विधायक निधि से संपन्न कार्यों की सूची उपलब्ध करवाये, लंबे समय से एक ही ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिवों के स्थानांतरण हों। 15वे वित्त के कार्यो की समीक्षा करे। लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि उनके विगत वर्षों के लंबित कार्यो को तेज़ी से पूरा करे। -स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि उनके पूर्ण संजीवनी क्लिनिक का हैंड ओवर संबंधित विभाग से प्राप्त करे, इसके साथ ही नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के स्थान चिन्हित कर निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाये। -एमपीआरडीसी को निर्देशित किया कि जहां भी सड़के ख़राब हो उसकी तुरंत मरम्मत की जाये तथा हाईवे पर स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये। -सीएमओ नगरपालिका को निर्देशित किया कि नगर के सौंदर्यीकरण करे, हाईवे के दोनों तरफ़ वृक्षारोपण करे। विशनखेड़ा टोल के पास स्थित होटलो की वजह से हाईवे के किनारे अधिक मात्रा में कचरा पन्नी आदि होता है उसकी सफाई हेतु निर्देशित किया। पुलिस विभाग से चर्चा कर जुआ,सट्टा, तथा अवैद्य शराब बिक्री पर तत्काल कार्यवाही हो जिससे अवैध शराब बिक्री पर रोक लग सके। सड़क दुर्घटनाएं कम हो । पीएचई विभाग को निर्देशित किया कि विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली अधूरी नल-जल योजनाये जल्दी पूर्ण हो,तथा झिरी बेहड़ा की समस्या का तत्काल निराकरण करे। -एनएच-45 के डिवाइडर पर स्थित मिसरोद से ओबैदुल्लागंज तथा ओबेदुल्लागंज से तमोट,विनेका,धामधूसर पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए । -वन विभाग को निर्देशित किया कि अन्य निर्माण विभाग द्वारा चाही गई हह्लष्ट की प्रक्रिया जल्दी पूर्ण की जाए जिसके लिए संबंधित विभाग को चेकलिस्ट प्रदान करे। साथ ही सुल्तानपुर क्षेत्र अंतर्गत उड़दमऊ,गोरिया इमलिया, सालेगढ़ आदि में वन भूमि के अतिक्रमण हटवाए। -विद्युत विभाग से उपस्थित सोनकर जी को निर्देशित किया कि आमजन तथा जनप्रतिनिधि के कॉल इग्नोर न करे।सुल्तानपुर की विद्युत की समस्याओं को विस्तार से सुना एवम् तत्काल सुधार हेतु ईई श्री सोनकर को निर्देशित किया तथा समस्त समस्याओं को सी.ई. लेवल तक अवगत कराने के निर्देश दिये। -एसडीओ पी डबल्यू डी को उनकी समस्त निर्माणाधीन सड़क मार्गो को पूर्ण करने के निदेश दिए। -अतिक्रमण पर सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

इसके साथ ही महोदय द्वारा अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों की प्रशंसा भी की गई, तथा सभी को जनकेंद्रित होकर कार्य करने हेतु कहा गया। -आबकारी विभाग को निर्देशित किया कि अवैद्य शराब बिक्री पर कार्यवाही करे। -इसके साथ ही हाल ही में ओबैदुल्लागंज में वृहद स्तर पर हटाए गए अतिक्रमण की माननीय द्वारा एसडीएम समेत समस्त अधिकारियों कर्मचारियों की सराहना की। -समस्त विभाग की मासिक समीक्षा करने के निर्देश दिए,तथा कमियों को पूरा कर गुणवत्ता के साथ कार्य करने हेतु कहा गया। बैठक में तीनों नगरपालिका के अध्यक्ष तथा जनपद अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

हर चुनौती का डटकर करती हैं सामना, राहत और बचाव कार्यों में प्लाटून कमांडर रश्मि की अहम भूमिका

विदिशा (निप्र)। प्लाटून कमांडर कुमारी रश्मि दुबे विदिशा जिले की युवतियों के लिए इंस्पिरेशन का कार्य कर रही हैं। राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ प्रशिक्षण जैसे कार्यों में प्लाटून कमांडर कुमारी रश्मि दुबे की अहम भूमिका होती है। दिन हो या रात वह बिना रुके वह अपने कार्यों का संपादन करती हैं जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनोखी मिसाल है। प्लाटून कमांडर कुमारी रश्मि दुबे होमगार्ड कार्यालय विदिशा में पदस्थ हैं। वह कहती है की नारी अपने आप में ही एक शक्ति है, नारी आज हर क्षेत्र में कार्य कर रही है और सभी चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ रही हैं। वह बताती है कि वह जब नौकरी में आई और नौकरी के पहले उन्हें काफी सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। सब कहते थे कि महिला होकर यह कार्य कैसे कर पाओगी फिर भी उन्होंने इन सभी चीजों को दरकिनार कर अपनी पढ़ाई पूरी कर नौकरी प्राप्त की और आज वह प्लाटून कमांडर के पद पर रहकर कार्य कर रही हैं। आज भी वह उनके सामने आने वाली सभी चुनौतियों का डटकर सामना करती हैं।

हर चुनौती का डटकर सामना

प्लाटून कमांडर कुमारी रश्मि दुबे का कहना है कि चाहे कैसी भी भी मुसीबत आपदा, आगजनी या अन्य कोई घटना हो घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को बचाना उनको रेस्क्यू करना किसी चुनौती से कम नहीं होता है और यह कार्य वह जिले में पदस्थ रहकर वह और उनकी टीम बखूबी निभाती है या जो भी अन्य कार्य हो उनमें महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। कभी-कभी तो रात्रि में भी ड्यूटी निभानी पड़ती है आपदा या अन्य कोई घटना के समय लोगों को राहत पहुंचाना ही हमारा नैतिक दायित्व है। वह कहती हैं कि मुझे तसल्ली रहती है कि हम पीड़ितों की सेवा कर रहे हैं मुसीबत में कैसे लोगों को बचाना है यह हमारा लक्ष्य रहता है।

अन्य युवतियां हो रही है प्रेरित

कुमारी रश्मि दुबे कहती हैं कि आज जब अन्य युवतियां मुझे वर्दी में देखती हैं तो वह भी इससे प्रेरित होती है और इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए उत्सुक रहती हैं। मुझे इस बात की बहुत खुशी होती है और इस जॉब में आना सफल भी होता है। महिला सशक्तिकरण के विषय में उनका कहना है कि महिला सशक्तिकरण एक जिम्मेदारी है जिसे हम ही हम सभी को मिलकर निभाना है।

आगामी एक सप्ताह में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में लाएं प्रगति- कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने बेगमगंज जनपद कार्यालय में आयोजित पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की संयुक्त बैठक में दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बेगमगंज जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित ग्राम पंचायत सचिवों तथा रोजगार सहायकों की संयुक्त बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में किए जा रहे कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अभियान के तहत खेत तालाब निर्माण, रिचार्ज पिट सहित अन्य प्रारंभ किए गए कार्यो, प्रगतिरत कार्यो की विस्तार से जानकारी लेते हुए समीक्षा करते हुए कार्यो में संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों को आगामी एक सप्ताह में कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बेगमगंज जनपद क्षेत्र में 296 खेत तालाब और 262 रिचार्ज पिट पूर्ण कराए जाने हैं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यो को गंभीरतापूर्वक पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की जल से जुड़ी जरूरतों को बनाए रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। विगत वर्षों के भू-जल स्तर और वर्तमान भू-जल स्तर में काफी अंतर आया है। इस बारे में सभी को गहन विचार-विमर्श करना बेहद जरूरी है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि आपसी समन्वय से खेत तालाब निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं जाएं।

साथ ही और किसानों को भी खेत तालाब निर्माण के लिए प्रोत्साहित करें। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ ही खेत में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी मिलेगा। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायतों में किए जा रहे अन्य कार्यो तथा जागरूकता गतिविधियों की भी जानकारी लेते हुए नागरिकों को जल का महत्व बताते हुए जल संरक्षण हेतु प्रेरित करने के लिए कहा। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्व-सहायता समूह और आजीविका मिशन ने संवारा अनीता सोलंकी का जीवन

गरीबी रेखा से ऊपर उठकर बनीं गांव की प्रेरणास्त्रोत, अब दूसरों को दे रही हैं आत्मनिर्भरता की सीख

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल से अनेक ग्रामीण महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी है ग्राम निवासी अनीता सोलंकी की, जिन्होंने अपनी मेहनत, स्व-सहायता समूह के सहयोग और शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है।स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पूर्व अनीता सोलंकी की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। उनके परिवार की मासिक आय केवल 2000-3000 रुपये थी, और उनके पति मजदूरी पर निर्भर थे। घरेलू खर्च चलाना कठिन था और अनीता दीदी परिवार की निर्णय प्रक्रिया में भी शामिल नहीं हो पाती थीं। वर्ष 2018 में आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद अनीता दीदी ने समूह की बैठकों के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और आत्मविश्वास से भरपूर होकर अपनी आजीविका सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। उन्होंने बैंक से 30,000 रुपये का ऋण लेकर सिलाई की दुकान शुरू की। समय के साथ आय में वृद्धि हुई और दीदी ने 60,000 रुपये का पुनः ऋण लेकर सिलाई, पीको, इंटरलॉक, माला निर्माण एवं साबुन निर्माण जैसे कार्य प्रारंभ किए। इसके अतिरिक्त, दीदी को बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से यूनिफॉर्म सिलाई और गिफ्ट पर्स निर्माण के ऑर्डर भी मिलने लगे। आज अनीता दीदी की मासिक आय 12,000 से 15,000 रुपये हो गई है। स्वयं की प्रगति के साथ ही दीदी ने गांव में अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। उन्होंने नए स्व-सहायता समूहों के गठन में सहयोग दिया, बैठकों में भागीदारी को बढ़ावा दिया और इसी के चलते उन्हें ग्राम संगठन का अध्यक्ष चुना गया। वर्तमान में वह संकुल स्तरीय संगठनकी अध्यक्ष हैं और सभी परिवारों की मासिक आय 10,000 रुपये से अधिक करने हेतु सक्रिय प्रयास कर रही हैं।

5 जून से ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान प्रारम्भ होगा

हरदा (निप्र)। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि आगामी 21 जून को 11 वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, इसके लिये सभी आवश्यक तैयारियां करें। उन्होने सभी कलेक्टर्स को समग्र व ई-केवायसी से संबंधित कार्य आगामी 30 जून तक शतप्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश भी दिये। उन्होने कहा कि ई-केवायसी की कार्यवाही पूरी होने से अपात्रों के खाते में शासकीय धन जाने से रूकेगा। हरदा कलेक्ट्रेट के वीसी रूम में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.डी. प्रजापति व संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय एवं श्री संजीव नागू सहित कृषि, शिक्षा, आदिम जाति कल्याण, पशुपालन, उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन, परिवहन विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने हनौता बांध और विस्थापन कार्यों का जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बुधवार को कुरवाई अनुविभाग क्षेत्र में निर्माणाधीन हनौता बांध सिंचाई परियोजना के कार्यो का भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने बांध के निर्माण कार्यो के लिए अधिग्रहण की गई भूमि के स्वामित्व को देय सुविधाएं का भी स्थलीय निरीक्षण किया है। उन्होंने ग्राम हनौता में बीना नदी पर निर्माणाधीन हनौता सिंचाई परियोजना से प्रभावितों को विस्थापन हेतु किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लिया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को परियोजना प्रबंधक ने बताया कि योजना से कुल 4183 हेक्टेयर भूमि डूब प्रभावित हो रही है जिसमें कुल 44 ग्राम जिला सागर एवं विदिशा के प्रभावित हो रहे हैं। विदिशा जिले के 9 ग्रामों में पुनर्वास एवं विस्थापन का कार्य किया जा रहा है जिसमें प्रभावित परिवारों की संख्या 1157 हैं, वहीं सागर में कुल 7 ग्रामों में पुनर्वास विस्थापन का कार्य किया जा रहा है। यहां प्रभावित परिवारों की संख्या 967 हैं। विदिशा जिले के प्रभावितों को ग्राम जाजोन में विस्थापन हेतु किए जा रहे कार्य एवं आवास बनाने के लिए आवंटित भूमि तथा प्रदाय सुविधाओं के साथ-साथ अन्य तमाम बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के संबंध में जानकारी सांझा की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विस्थापन क्षेत्रों में गौ शाला के निर्माण पर बल देते अब तक बनाई गई आंगनबाड़ी, स्कूल स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। परियोजना प्रबंधक ने हनोता सिंचाई परियोजना के बांध की कुल लंबाई, मिट्टी बांध की कुल लंबाई, पक्के बांध की कुल लंबाई, बांध की उंचाई, टीबीएल, एम डब्ल्यूएल, एफआरएल, केचमेंट एरिया,कुल जल भराव क्षमता, जीवित जल भराव क्षमता, गेटों की संख्या तथा कुल डूब क्षेत्र भूमि की जानकारियों से अवगत कराया है।

हर जरूरतमंद को मिले मदद, कोई ना हो परेशान – कलेक्टर

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने पठारी क्षेत्र का दौरा कर हनोता बांध वृहद परियोजना, इंटेक और निर्माणाधीन कॉलोनियों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें बेहतर से बेहतर कार्य करने की समझाईश दी। पात्र हितग्राहियों और जरूरतमंदों को हर संभव मदद देने की बात कही। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता और जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने अधिकारियों के साथ पठारी क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने हनोता बांध बृहद परियोजना की विस्थापित कॉलोनी का निरीक्षण किया। जिसमें ग्राम जाजपोन की कॉलोनी में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, मंदिर, खेल परिसर, सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था, अस्पताल, विद्युत व्यवस्था, बस स्टैंड, पार्क सहित मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने 300 परिवार वाली कॉलोनी में अनेक व्यवस्थाओं में सुधार करने की समझाईश दी। जिसमें जल निगम द्वारा पेयजल व्यवस्था में सुधार करने की बात कही। वहीं मंदिर के परिसर को बढ़ाने एवं बेहतर सड़के और जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने के सख्त निर्देश दिए।

ग्रामीणों से हुए रूबरू कलेक्टर

क्षेत्र भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता प्रधानमंत्री जनमन बस्तियों में पहुंचे। जहां सहरिया समुदाय के परिवारजनों से संवाद किया एवं छोटे बच्चों से आंगनवाड़ी केंद्र और स्कूल की पढ़ाई के विषय में चर्चा की। कलेक्टर बच्चों के जवाब से संतुष्ट नजर आए वही धन सिंह सहरिया और युवाओं से भी उन्होंने चर्चा कर आत्मनिर्भर होने के लिए लोन मुहैया कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और तत्काल मौके पर निराकरण किया। इंदिरा आवास कॉलोनी में प्रधानमंत्री जनमन नवीन आंगनबाड़ी केंद्र बनाया जाएगा। निर्माणाधीन अस्पताल भवन का निरीक्षण किया। बेहतर से बेहतर कार्य करने की समझाईश दी। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

पंचकल्याणक महोत्सव में पहुंचे कलेक्टर

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता पठारी के समीपस्थ ग्राम सैदपुर में 28 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव में अन्य अधिकारियों के साथ पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर मुनि श्री दुर्लभ सागर महाराज को फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया व सैदपुर में बनाई जाने वाली विख्यात पाषाण मूर्तियां का अवलोकन किया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर

के 300वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

एवं

'राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान' अलंकरण

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दतिया एवं सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण एवं इंदौर मेट्रो का शुभारंभ

(गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर 03 तक)

₹483 करोड़ लागत के 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की प्रथम किस्त का अंतरण

— प्रधानमंत्री —

नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

— गरिमामयी उपस्थिति —

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

31 मई, 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | जम्बूरी मैदान, भोपाल

नारी सशक्तिकरण में अग्रणी मध्यप्रदेश

- सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ
- शासकीय सेवा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 35% तक किया
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 62 लाख ग्रामीण बहनें हुईं आत्मनिर्भर
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख बहनों को मिली धुएं से मुक्ति

बेहतर होतीं वायु सेवाएं

- ₹ 60 करोड़ की लागत से 124 एकड़ में दतिया एयरपोर्ट एवं ₹ 37 करोड़ की लागत से सतना एयरपोर्ट का निर्माण संपन्न
- हवाई सुविधा से धार्मिक पर्यटन के साथ औद्योगिक विस्तार को मिलेगा बढ़ावा
- यात्रियों को मां पीतांबरा पीठ, मां शारदा और चित्रकूट धाम तक की हवाई सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के गंतव्यों तक कनेक्टिविटी होगी बेहतर

इंदौर को मेट्रो रेल की सौगात

- ₹ 1520 करोड़ लागत की यलो लाइन मेट्रो 6 कि.मी. लंबे रूट पर चलेगी
- आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलेगी
- प्रति ट्रेन 900 से अधिक यात्री क्षमता के साथ लिफ्ट, एस्केलेटर, AI आधारित ट्रैकिंग एवं QR आधारित टिकटिंग प्रणाली से स्मार्ट होगा सफर

शोभा बढ़ायेंगे शिप्रा के घाट

- सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के दृष्टिगत शिप्रा घाट के विकास और सौंदर्यीकरण से श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा
- बैराज के निर्माण से शिप्रा-कान्ह नदी के जल का संरक्षण एवं प्रबंधन बेहतर ढंग से हो सकेगा

पंचायतों को स्थायी भवन

- प्रदेश भर में 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा के साथ प्रशासनिक कार्य करने, बैठकें आयोजित करने एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी

D-11033/25 सीधा प्रसारण DD News webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP #AhilyaBaiHolkarAt300